दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-57 सीहोर, गुरूवार 16 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

गोरक्षा मेरे लिए केवल गाय को बचाने से कहीं बड़ी चीज है। गाय तो प्राणि-मात्र का सिर्फ प्रतीक है। गोरक्षा का अर्थ है दुर्बलों, असहायों, गूँगों और बहरों की रक्षा। फिर तो मनुष्य सारी सृष्टि का प्रभु और स्वामी न रहकर सेवक बन जाता है। मेरी दृष्टि में गाय दया का जीता-जागता उपदेश है। फिर भी हम तो गोरक्षा के नाम पर निरा खिलवाड़ करते हैं।

(25.04.1925 : जवाहरलाल नेहरू को लिखे पत्र का अंश: सं.गां.वां. खंड 26: पृष्ठ 539)

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को किया संबोधित

हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से हमारा लोकतंत्र बनेगा अधिक समावेशी, सशक्त और संवेदनशील

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करते हुए मध्यप्रदेश सहित देश को सशक्त बनाया है। उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया है। हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं। गुरुवार 16 अप्रैल 2026 महिला सशक्तिकरण की मंगलमय तारीख होगी। देश की विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का विषय आएगा तो वह समय देश में होली-दीवाली एक साथ मनाने जैसा होगा। शासन के सूत्र जब बहनों के हाथ में आते हैं तो संवेदनशीलता से परिपूर्ण कितने नवाचार किए जा सकते हैं, इसके कई उत्कृष्ट उदाहरण हमारे सामने हैं। मध्यप्रदेश रानी दुर्गावती की धरती है। राज्य सरकार ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई। उनकी शासन व्यवस्था में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बलबूते पर काशी में बाबा विश्वनाथ का धाम बनाया। सभी तीर्थ स्थलों पर अन्न क्षेत्र और यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कराई। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण का नया युग आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम-प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। रविंद्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में कार्यक्रम वंदे मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारी शक्ति वंदन पखवाडे के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में महिला संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, नगरीय निकायों तथा पंचायत राज संस्थाओं की प्रतिनिधियों, महिला पत्रकार, छात्राएं शामिल हुईं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नारी शक्ति के वंदन का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश के नगरीय निकायों में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश के आधे से अधिक स्थानीय निकायों की कमान बहनें संभाल रही हैं। लोकसभा में हमारी 6 बहनें सांसद और विधानसभा में 27 बहनें विधायक हैं। प्रदेश में 5 महिला मंत्री अपने विभागों की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। मध्यप्रदेश में महिलाओं ने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता के कई उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ग्वालियर अंचल से राजमाता विजया राजे सिंधिया ने तत्कालीन सरकार को छोड़ा और प्रदेश में पहली संविद सरकार बनाई । विनम्रता की प्रतिमूर्ति राजमाता ने कभी कोई पद नहीं लिया और जनता के लिए कार्य करती रहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोर्ड परीक्षा में टॉपर बालिकाओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंड्री बोर्ड परीक्षा में संयुक्त टॉपर रहीं भोपाल की कुमारी खुशी राय और कुमारी चांदनी विश्वकर्मा एवं हाई स्कूल परीक्षा की टॉपर पन्ना जिले की छात्रा कुमारी प्रतिभा सिंह सोलंकी को अंगवस्त्रम के साथ नारियल और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला सशक्तिकरण पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नागरिक विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, शिक्षाविद सुश्री शोभा पैठनकर, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस और सांसद श्रीमती लता वानखेड़े विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में जवाहर बाल भवन की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया।

अमरनाथ यात्रा : रजिस्ट्रेशन शुरू, बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

जम्मू, (आरएनएस)। तीन जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा को लेकर बुधवार से रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया. इसके साथ ही काफी संख्य में श्रद्धालु लगाए गए काउंटरों पर उमड़ पड़े. बता दें कि एडवांस रजिस्ट्रेशन ऑनलाइ और ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से किया जा रहा है.अमरनाथ यात्रा 57 दिनों तक चलेगी. साथ ही रक्षाबंधन के दिन 28 अगस्त को यात्रा का समापन होगा. यह यात्रा दो मार्गों से संचालित की जाएगी, इसमें एक अनंतनाग पारंपरिक 48 किलोमीटर लंब नुनवान-पहलगाम मार्ग के अलावा गांदरबल में 14 किलोमीटर का कठिन बालटाल मार्ग भी शामिल है.रजिस्ट्रेशन के बारे में पंजाब नेशनल बैंक के जम्मू मंडल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक पंकज कुमार वर्मा ने बताया, ''अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो गया है. इस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है. इसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से खोला गया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजाब नेशनल बैंक नोडल बैंक की भूमिका निभा रहा है. डीजीएम वर्मा ने बताया कि देशभर में कुल 556 बैंक शाखाएं रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में शामिल हैं, जिनमें से 310 ब्रांच पंजाब नेशनल बैंक की हैं. साथ ही जम्मू में छह काउंटर बनाए गए हैं. जम्मू में जम्मू कश्मीर बैंक और पीएनबी की ऑफलाइन शाखाओं में सुबह आठ बजे से ही लंबी लाइन लग गई थी, जहां श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन शुरू होने से एक घंटा पहले ही लाइन में लग गए।

अफसरों के मुताबिक, ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन देशभर की 556 बैंक शाखाओं में किया जा सकता है, जिनमें पंजाब नेशनल बैंक की 310, जे-के बैंक की 90, यस बैंक की 37 और भारतीय स्टेट बैंक की 99 शाखाएं शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश में घर में गैस सिलेंडर के फटने से चार लोगों की मौत, 21 लोग घायल

कदिरी (आंध्र प्रदेश) (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के सत्य साईं जिले में एक बड़ा हादसा हुआ है. कदिरी मंडल के कुम्मारावंदलापल्ली में एक घर में गैस सिलेंडर के फटने के कारण चार लोगों की मौत हो गई. इस घटना में तकरीबन 21 लोग घायल बताए जा रहे हैं.घायलों को सरकारी अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया. बताया जा रहा है कि उनमें से 12 की हालत गंभीर है. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके से घर पूरी तरह तबाह हो गया है. इस हादसे के तुरंत बाद फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। खबर के मुताबिक, घर में रखे चार डेटोनेटर के फटने के कारण गैस सिलेंडर में आग लग गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. पुलिस जांच के बाद ही मामले की सही जानकारी मिल पाएगी।

महिला आरक्षणः हर स्टेट से 50 परसेंट सीटों में बढ़ोतरी, किसी राज्य के साथ नहीं होगा अन्याय

नई दिल्ली,(आरएनएस)। आज से तीन दिन तक संसद में भारी शोर शराबा देखने को मिल सकता है। सरकार महिला आरक्षण लागू करने को लेकर मैराथन मंथन करना चाहती है। इसके लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार यानी 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुलाया है। दरअसल सरकार चाहती है कि 2029 से ही महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलने लगे।

2023 में ये बिल क़ानून बन चुका है मगर अब विपक्षी दल इसे लेकर सरकार पर बड़े आरोप लगा रहे हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, हर राज्य के लिए मौजूदा सीटों में 50 परसेंट की बढ़ोतरी होगी। सीटें सिर्फ़ प्रोपोर्शनल होंगी। किसी भी राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं होगा। बिल की भाषा बहुत साफ़ है। संसद में इसे बहुत साफ़ तौर पर बताया जाएगा। गलत मतलब निकालने से बचा जा सकता है।विपक्षी दल महिला आरक्षण की आड़ में डिलिमिटेशन की साज़िश का आरोप लगा रहे हैं तो वहीं साउथ की पार्टियां ज़्यादा चिंतित हैं क्योंकि सरकार डिलिमिटेशन कर लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करना चाहती है।

सबरीमला मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सामाजिक कल्याण का इस्तेमाल धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सबरीमला मामले में रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई करते हुए कहा कि समाज कल्याण का इस्तेमाल धर्म को खोखला करने के लिए नहीं किया जा सकता. साथ ही, कोर्ट ने माना कि लाखों लोगों की मान्यताओं को गलत या त्रुटिपूर्ण घोषित करना कोर्ट के लिए सबसे मुश्किल कामों में से एक होगा।

नौ जजों की संविधान बेंच ने केरल के सबरीमला मंदिर समेत धार्मिक जगहों पर महिलाओं के साथ भेदभाव और कई धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और दायरे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बातें कहीं।

पीठ में सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं. वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड का प्रतिनिधित्व किया, जो केरल के ऐतिहासिक सबरीमला मंदिर का प्रबंधन करता है।

मजदूरों का आंदोलनः ट्रेड यूनियनों ने आज देश भर में विरोध प्रदर्शन का किया आह्वान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मजदूरों की बढ़ती नाराजगी के बीच, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस ने गुरुवार को देश भर में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है. इसमे मजदूरों से अपील की गई है कि वे इंडस्ट्रियल एरिया और फैक्ट्री इकाइयों में चल रही हड़तालो के साथ एकजुटता दिखाएं.ट्रेड यूनियन का यह आह्वान ऐसे समय में आया है जब मजदूरों की हालत, मजदूरी और नौकरी की सुरक्षा को लेकर नाराजगी बढ़ रही है, और कई मजदूर ग्रुप पहले से ही प्रदर्शन कर रहे हैं।

बिहार में नए सियासी युग का उदयः सम्राट चौधरी ने 24वें मुख्यमंत्री पद की ली शपथ

पटना,(ए.)। बिहार की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक अध्याय जुड गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। राज्य के इतिहास में यह पहला अवसर है जब बिहार की कमान पूर्ण रूप से भाजपा के किसी मुख्यमंत्री के हाथों में सौंपी गई है।यह सत्ता परिवर्तन नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे और उनके राज्यसभा जाने के फैसले के बाद हुआ है। लगभग दो दशकों तक बिहार की कमान संभालने वाले नीतीश कुमार ने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था, जिसके बाद भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

नई सरकार के शक्ति संतुलन और गठबंधन के समीकरणों को साधने के लिए जनता दल (यूनाइटेड) की ओर से दो वरिष्ठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

हरियाणा जमीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन, ईडी के आरोपपत्र पर कोर्ट का संज्ञान

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की एक अदालत ने हरियाणा के गुरूग्राम स्थित शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी किया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति वाड्रा सहित 9 अन्य लोगों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 16 मई को पेश होने को कहा है। ईडी ने जुलाई 2025 में वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में केंद्रीय एजेंसी ने वाड्रा से लगातार 3 दिन तक पूछताछ की थी। यह पहली बार था, जब किसी केंद्रीय एजेंसी ने वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। हालांकि, वाड्रा ने सभी आरोपों को खारिज कर इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अबू सलेम की उम्रकैद की सजा में छूट और जल्दी रिहाई की अर्जी खारिज की

मुंबई,(आरएनएस)। अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम की समय से पहले रिहाई की अर्जी को खारिज करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने उसे कोई राहत देने से इनकार कर दिया है. जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस कमल खाता की डिवीजन बेंच ने गुरुवार को याचिका खारिज कर दी.यह याचिका पहली बार जुलाई 2025 में सुनवाई के लिए आई थी. उस समय, बॉम्बे हाई कोर्ट ने साफ किया था कि हालांकि याचिका पहली नजर में मानने लायक नहीं लगती, फिर भी कोर्ट इसे सुनवाई के लिए मान रहा है।

केंद्र सरकार की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट में कहा कि इस बारे में सलेम की दायर याचिका मानने लायक नहीं है और उस पर सुनवाई नहीं की जा सकती.कोर्ट ने अबू सलेम को उम्रकैद की सजा सुनाई है. अंतरराष्ट्रीय प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे 25 साल से अधिक की सजा नहीं दी जा सकती. हालांकि यह बात मान ली गई है, लेकिन उनकी सजा की 25 साल की अवधि 10 नवंबर, 2030 को पूरी हो जाएगी.सलेम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है, और उसके खिलाफ आतंकवाद, हत्या और जबरन वसूली जैसे बहुत गंभीर आरोप दर्ज हैं. इसके अलावा, कैदियों को आम तौर पर जेल में अच्छे बर्ताव के आधार पर उनकी सजा में छूट दी जाती है, लेकिन अबू सलेम के पिछले अपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए, उसे किसी भी तरह की छूट या रियायत नहीं दी जा सकती.अबू सलेम की याचिका पर जवाब देते हुए, राज्य सरकार ने भी उसकी याचिका का कड़ा विरोध किया।

टैरिफ में बदलाव के बीच अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता फिर शुरू, अगले हफ्ते वाशिंगटन जाएगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का एक दल अगले हफ्ते अमेरिका में व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन का दौरा करेगा। यह बैठक 20 अप्रैल को होगी। भारत और अमेरिका ने अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण टैरिफ संचरना में हुए बदलावों की वजह से समझौते में हस्ताक्षर पर देरी हो रही है। इस बैठक में दोनों देश के अधिकारी समझौते पर अंतिम दौर की बातचीत करेंगे।फरवरी में दोनों देशों ने समझौते को अंतिम रूप दिया था, जिसके तहत अमेरिका ने कई शर्तों के साथ भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई थी।

इंडिया गठबंधन आरक्षण विधेयक का विरोध करेगा, खड़गे बोले-केंद्र सरकार चालबाजी कर रही

नईदिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार द्वारा गुरुवार को लाए जा रहे महिला आरक्षण संबंधी विधेयक का विपक्षी इंडिया गठबंधन समर्थन नहीं करेगा। यह जानकारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दी। बुधवार को खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन के सांसदों की बैठक में यह फैसला लिया गया है। खड़गे ने बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित कर कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार का यह बिल लाना राजनीतिक रूप से प्रेरित है। खड़गे ने कहा, हम महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हैं, लेकिन जिस तरह से यह सरकार इसे आई है, वह राजनीतिक रूप से प्रेरित है। हमने लगातार महिला आरक्षण का समर्थन किया है, 2010 और फिर 2023 में। तब संवैधानिक संशोधन सर्वसम्मति से पारित हुआ था। उन्होंने कहा, विपक्ष की सीधी-सामान्य मांग है कि संशोधन को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल न करके इसे लागू किया जाए। दूसरी बात, सरकार परिसीमन के मामले में चालबाजी कर रही है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा कि विपक्ष में हम सभी इस मामले पर एकजुट हैं, और सबने मिलकर फैसला किया है कि हम बिल का विरोध करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नवनियुक्त उपकेंद्र परिचारकों को एनपीटीआई शिवपुरी में होगा उन्नत प्रशिक्षण

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के नवनियुक्त उपकेंद्र परिचारकों (सब स्टेशन अटेंडेंट) को देश के प्रतिष्ठित नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (एनपीटीआई), शिवपुरी में उन्नत एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में उन्हें अनुभवी एवं विशेषज्ञ विद्युत इंजीनियरों द्वारा ट्रांसमिशन लाइनों तथा एक्स्ट्रा हाई टेंशन सब-स्टेशनों की संरचना, संचालन एवं रखरखाव (मेंटेनेंस) से संबंधित सैद्धांतिक के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जा रहा है। इसी क्रम में शिवपुरी परीक्षण संभाग के कार्यपालन अभियंता अजीत वर्मा ने सहायक अभियंता रोहित यादव के साथ 220 केवी सब स्टेशन शिवपुरी में आयोजित फील्ड विजिट के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सब स्टेशन के विभिन्न उपकरणों, उनके संचालन, रखरखाव तथा सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उपकेंद्र परिचारकों की तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करने के साथ ही विद्युत ट्रांसमिशन प्रणाली के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन में दक्षता प्राप्त करवाने के लिए दिया जा रहा है।

सभी संभागों में गेहूँ का उपार्जन शुरू : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

42689 किसानों से 18 लाख 97 हजार 480 क्विंटल गेहूँ उपार्जित

भोपाल (ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 42 हज़ार 689 किसानों से 18 लाख 97 हजार 480 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 28 करोड़ 40 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। गेहूँ का उपार्जन सभी संभागों में शुरू हो चुका है। अभी तक 2 लाख 58 हजार 644 किसानों द्वारा 1 करोड़ 13 लाख 95 हजार 407 क्विंटल गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। किसान गेहूँ बिक्रय के लिये 24 अप्रैल 2026 तक स्लॉट बुक कर सकते हैं। खरीदी के लिये 3171 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। गेहूँ की खरीदी कार्यालयीन दिवसों में होती है।

उपार्जन केंद्र में किसानों के लिये गेहूँ बिक्री की सभी सुविधाएं

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि जिन जिलों में गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, वहाँ गेहूँ विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। गेहूँ के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के सुरक्षित भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उपार्जित गेहूं में से 8 लाख 65 हजार 600 क्विंटल गेहूँ का परिवहन किया जा चुका है। प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष युद्ध की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 ने 560 दिन किया लगातार उत्पादन

21ो मेगावाट श्रेणी में सर्वाधिक दिन विद्युत उत्पादन करने वाली देश की दूसरी यूनिट बनी

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई (ATPS) की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने एक बार फिर कमाल दिखाते हुए 560 दिन निर्बाध विद्युत उत्पादन करते हुए एनटीपीसी के विंध्याचल सुपर ताप विद्युत गृह सिंगरौली को पीछे छोड़ दिया। देश के ताप विद्युत उत्पादन के इतिहास में अब चचाई की यह यूनिट 210 मेगावाट श्रेणी में सर्वाधिक दिनों तक निर्बाध विद्युत उत्पादन करने वाली दूसरी यूनिट बन गई। समग्र रूप से और सभी श्रेणी में देखा जाए तो अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यह यूनिट सर्वाधिक लगातार विद्युत उत्पादन करने वाले विद्युत इकाइयों में चौथे स्थान पर अपना नाम दर्ज करवा चुकी है। चचाई की यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से निर्बाध रूप से विद्युत उत्पादन कर रही है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 द्वारा हासिल की गई यह यह उपलब्धि गहन योजना, मज़बूत निवारक रखरखाव प्रक्रियाओं, बारीकी से की गई परिचालन निगरानी और ATPS की पूरी परिचालन व रखरखाव टीम के अटूट समर्पण का परिणाम है। इतनी लंबी अवधि तक बिना किसी बड़ी रुकावट के निर्बाध परिचालन बनाए रखना अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के पेशेवर रूख, प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल ATPS के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह मध्यप्रदेश के उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में MPPGCL के योगदान को भी काफी मज़बूत करती है। यह कंपनी के अन्य बिजली उत्पादन केंद्रों के लिए अनुकरण करने के लिये एक मानक स्थापित करती है।

सर्वाधिक दिन के उत्पादन के साथ तकनीकी मापदंड में भी यूनिट दिखा रही कमाल

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 सर्वाधिक दिन संचालित होने के साथ तकनीकी रूप से भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान यूनिट ने 98.78 प्रतिशत प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर (PAF), 95.48 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (PLF) व 9.28 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्प्शन जैसे उच्च मानक हासिल किए। ये प्रभावशाली आंकड़े स्पष्ट रूप से उच्च स्तर की दक्षता, विश्वसनीयता व तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाते हैं, जिसे चचाई प्लांट टीम द्वारा निरंतर बनाए रखा गया है।

किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों को ऊर्जा उत्पादन से जोड़ने के लिए संभाग एवं जिला स्तर पर हों कार्यक्रम

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को निर्बाध रूप से सस्ती बिजली सुलभ कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस काम केलिए सरकार किसानों को हर जरूरी मदद देने को तैयार है। किसानों को सस्ती बिजली मिलेगी, तो वे अपना उत्पादन भी बढ़ा सकेंगे और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा प्राप्ति के लिए उन्हें स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनाया जाए। इसके लिए किसानों को हरित ऊर्जा उत्पादन से जोड़ा जाए। ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर ही हम किसानों का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सोलर पम्प का उपयोग करने के लिए हर तरीके से प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को जो इससे जुड़ना चाहते हैं, विभाग उनका हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन भी करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की प्रचलित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य के हित में किसानों और नागरिकों सभी को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के लिए समर्पित और फोकस्ड होकर आगे बढ़ें। किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने के साथ-साथ प्रधानमंत्री

सूर्य घर योजना की प्रगति में भी तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 2 लाख से अधिक किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। विभाग अपनी योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों की समीक्षा करें और नई जरूरतों के मुताबिक इन लक्ष्यों में वृद्धि करें, ताकि कम समय में अधिकतम लोगों को लाभ मिले। इसके लिए विभाग अपनी योजनाओं को टाइम फ्रेम में लेकर आएं और तय समय सीमा में ही लक्ष्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। इससे तेज और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

निकाय पदाधिकारियों के साथ भोपाल में होगा एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीयनिकाय कचरा बेचकर और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (रूफ टॉप स्कीम) में तेजी से प्रगति लाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को इस विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल में एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम किया जाए। यह कार्यक्रम जल्दी ही किया जाए, ताकि निकायों को काम करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

राज्य के ऊर्जा हितों का रखें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश सरकार के साथ मिलकर मुरैना में 2 हजार मेगावॉट (2 गीगावॉट) की अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क की स्थापना की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि इस मेगा परियोजना में राज्य के ऊर्जा हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा मात्र पीक पीरियड में ही ग्रीन एनर्जी सप्लाय की मंशा व्यक्त की गई है। इस संबंध में उत्तरप्रदेश सरकार के वरिष्ठतम विभागीय अधिकारियों के साथ समुचित समन्वय किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) प्रोडक्शन के लिए तय किए गए लक्ष्यों को और भी परिशोधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम बी) में अब तक 27 हजार 100 सोलर पम्प स्थापित किए जा चुके हैं।

निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलता है 25 हजार का प्रोत्साहन

भोपाल (ए.)। राज्य शासन द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 'सुपर 5000 योजना' वर्ष 2013 से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 25 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। योजना के अनुसार, राज्य मेरिट में टॉप 5000 योजना में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ मिलेगा। कक्षा 10वीं में राज्य स्तर की टॉप 5000 योजना में मेरिट में स्थान होना आवश्यक है, जबकि कक्षा 12वीं में अपने-अपने संकाय (विज्ञान, वाणिज्य, कला) की टॉप 5000 मेरिट योजना में शामिल होना अनिवार्य होगा। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिनके माता या पिता परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व MPBOCW में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं तथा जिन्होंने मध्यप्रदेश बोर्ड से परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला की उपस्थिति में मंत्रालय में रूफटॉप एनर्जी के लिए शासकीय संस्थाओं और रेस्को विकास इकाइयों के मध्य ऊर्जा अनुबंध हुआ।

जनजातीय क्षेत्रों के विद्यालयों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंत्री डॉ. कुंवर शाह ने विद्यार्थियों, शिक्षकों को दी बधाई

भोपाल (ए.)। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में जनजातीय क्षेत्रों के विद्यालयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई दी है। मंत्री डॉ. शाह ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनजातीय अंचलों के बच्चों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अवसर मिलने पर उनकी क्षमता और योग्यता किसी से कम नहीं है। कक्षा 10वीं के परिणामों में जनजातीय जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। अनूपपुर जिले ने अग्रणी स्थान हासिल किया, जबकि आलीराजपुर जिला दूसरे स्थान पर रहा।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा में उत्साहपूर्वक मनाई गई बाबा साहब की जयंती

भोपाल (ए.)। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में संविधान निर्माता एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर प्रशासनिक भवन प्रांगण सहित कारखाना परिसर की विभिन्न शॉप्स, अनुभागों एवं प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम प्रशासनिक भवन प्रांगण में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात कारखाना के रेलकर्मियों द्वारा भावपूर्ण वृंदगान प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री कोहाड़े ने डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि हम उस भूमि के निवासी हैं जहाँ ऐसे महान व्यक्तित्व का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का संपूर्ण जीवन संघर्ष, समर्पण एवं सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए समर्पित रहा है। उनके द्वारा रचित भारतीय संविधान आज भी देश को समानता, न्याय एवं बंधुत्व के मार्ग पर आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

अब तक 2932 स्थानों पर हुई जाँच, 4400 गैस सिलेण्डर किये गये जब्त

भोपाल (ए.)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें। इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2932 स्थानों पर जांच की गई, 4400 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 755 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है। भारत में कच्चे तेल (Crude Oil) का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी (LPG) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

रेल मंडल कार्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

डीआरएम सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहब को किया स्मरण

भोपाल (निप्र)। भारत रत्न, संविधान शिल्पी, समाज सुधारक एवं न्याय के प्रबल पक्षधर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर, पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल कार्यालय में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। भोपाल मंडल अंतर्गत सभी स्टेशन, डिपो एवं रेल कार्यालयों में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी जयंती अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने मंडल के समस्त रेलकर्मियों को इस ऐतिहासिक दिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि बाबा

साहब का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक समरसता का जीवंत प्रतीक है। हमें उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समतामूलक, न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की स्थापना हेतु निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बाबा साहब के अदम्य साहस, प्रखर बुद्धिमत्ता और दूरदर्शी सोच से प्रेरणा लेकर हमें भारतीय रेल की गरिमा और सेवा की गुणवत्ता को और ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे एवं योगेन्द्र बघेल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया सहित अन्य अधिकारीगण, रेल कर्मचारी एवं मान्य यूनियन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अविरल निर्मल नर्मदा के लिए प्रदेश की निर्णायक पहल

नियमित समन्वय के लिए नर्मदा अनुश्रवण समितियों का हुआ गठन

भोपाल (ए.)। सामान्य प्रशासन विभाग ने माँ नर्मदा के अविरल एवं निर्मल प्रवाह को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाज, संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं राज्य शासन के संबंधित विभागों द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यों की समग्रता समन्वय एवं अनुश्रवण की दृष्टि से राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन किया है। राज्य स्तरीय समिति में म.प्र. जन अभियान परिषद् के उपाध्यक्ष समिति के अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक सदस्य सचिव होंगे। जिला स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर समिति के अध्यक्ष एवं म.प्र. जन अभियान परिषद् के जिला समन्वयक सदस्य सचिव होंगे। विकासखण्ड स्तरीय समिति में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अध्यक्ष एवं विकासखण्ड समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद् सदस्य सचिव होंगे। समिति में नर्मदा नदी पर कार्यरत नदी संरक्षण, पर्यावरण, जैवविविधता के विषय-विशेषज्ञ सदस्य होंगे। समितियों में शासन के विभाग यथा नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, वन, राजस्व, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, खनिज संसाधन एवं जल संसाधन विभाग तथा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के विभागीय प्रतिनिधि सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त नर्मदा समग्र के कार्यकारी निदेशक राज्य स्तरीय समिति में एवं जिला व विकासखण्ड समन्वयक जिला व विकासखण्ड स्तरीय समितियों में सदस्य होंगे। गठित त्रिस्तरीय समिति में आपसी समन्वय होगा। समिति की बैठक प्रत्येक 3 माह में आयोजित की जायेगी।

विदिशा के डायल-112 हीरोज

रास्ता भटकी 08 वर्षीय बालिका को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

भोपाल (ए.)। विदिशा जिले के थाना सिविल लाइन क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशील एवं तत्पर कार्रवाई से घर का रास्ता भटक गई 08 वर्षीय बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस मानवीय पहल से बालिका को सुरक्षा एवं परिवार का सान्निध्य पुनः प्राप्त हो सका। 15 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामपुरा में एक 08 वर्षीय बालिका अकेली मिली है, जो घर का रास्ता भटक गई है एवं पुलिस सहायता की आवश्यकता है।

कार्य के चलते भोपाल-जोधपुर एवं दयोदय एक्सप्रेस कोटा की बजाय सोगरिया स्टेशन से परिचालित

भोपाल (निप्र)। कोटा जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 के पुनर्विकास कार्य के अंतर्गत रेल प्रशासन द्वारा 15 अप्रैल 2026 से 04 मई 2026 तक 20 दिवसीय ब्लॉक लिया जा रहा है। इस अवधि में प्लेटफॉर्म नंबर 1 से संचालित होने वाली सभी गाड़ियों को अन्य प्लेटफॉर्मों पर स्थानांतरित किया गया है। साथ ही कुछ गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन किया गया है तथा कुछ गाड़ियों का आंशिक परिचालन सोगरिया स्टेशन से किया जाएगा।

प्रभावित गाड़ियों का विवरण निम्नानुसार है —

1 : परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाड़ियाँ (डायवर्जन) — (ये गाड़ियाँ कोटा जंक्शन के बजाय गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया मार्ग से होकर चलेंगी) 1. गाड़ी सं. 14814 — भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस दिनांक 15.04.2026 से 03.05.2026 तक (कुल 19 फेरे) — परिवर्तित मार्ग : सोगरिया (आगमन : 02:10, प्रस्थान : 02:20)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होते हुए, कोटा जंक्शन बाईपास। 2. गाड़ी सं. 14813 — जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस दिनांक 15.04.2026 से 04.05.2026 तक (कुल 20 फेरे) — परिवर्तित मार्ग : गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन : 23:30,

बीना-कोटा-बीना मेमू का संचालन सोगरिया तक एवं प्रस्थान सोगरिया स्टेशन से रहेगा

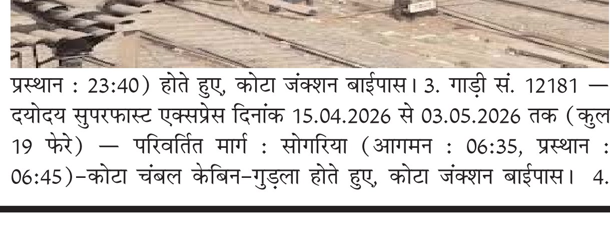

प्रस्थान : 23:40) होते हुए, कोटा जंक्शन बाईपास। 3. गाड़ी सं. 12181 — दयोदय सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 15.04.2026 से 03.05.2026 तक (कुल 19 फेरे) — परिवर्तित मार्ग : सोगरिया (आगमन : 06:35, प्रस्थान : 06:45)-कोटा चंबल केबिन-गुड़ला होते हुए, कोटा जंक्शन बाईपास। 4. गाड़ी सं. 12182 — दयोदय सुपरफास्ट एक्सप्रेस दिनांक 15.04.2026 से 04.05.2026 तक (कुल 20 फेरे) — परिवर्तित मार्ग : गुड़ला-कोटा चंबल केबिन-सोगरिया (आगमन : 21:50, प्रस्थान : 22:00) होते हुए, कोटा जंक्शन बाईपास। 2 : सोगरिया स्टेशन पर आंशिक समापन (शॉर्ट टर्मिनेशन) — (ये गाड़ियाँ कोटा जंक्शन के बजाय सोगरिया स्टेशन पर समाप्त होंगी) 1. गाड़ी सं. 11604 — बीना-कोटा मेमू एक्सप्रेस दिनांक 15.04.2026 से 04.05.2026 तक (कुल 20 फेरे) — यह गाड़ी कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर समाप्त होगी। 2. गाड़ी सं. 61634 — बीना-कोटा मेमू दिनांक 15.04.2026 से 04.05.2026 तक (कुल 20 फेरे) — यह गाड़ी कोटा जंक्शन के स्थान पर सोगरिया स्टेशन पर समाप्त होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और यात्रा में किसी भी असुविधा से बचने के लिए उन्हें अपनी गाड़ी का प्लेटफॉर्म स्टेशन पर लगे डिस्प्ले बोर्ड, पूछताछ काउंटर अथवा एनटीईएस ऐप से अवश्य जाँच ले। अधिक जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस ऐप पर जानकारी उपलब्ध है।

औद्योगिक प्रयोजन के लिये जमीन आवंटन में कदापि देरी न हो : कलेक्टर

निवेश के लिये अनुकूल वातावरण व जमीन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

ग्वालियर (ए.)। औद्योगिक प्रयोजन के लिये भूमि अधिग्रहण (भू-अर्जन) और सरकारी जमीन के आवंटन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। साथ ही पूरी प्रक्रिया के दौरान विधिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें, जिससे भविष्य में औद्योगिक विकास में कोई कानूनी अड़चन न आए। इसके लिये एमपीआईडीसी (मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) एवं संबंधित राजस्व अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर काम करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में एमपीआईडीसी द्वारा विकसित किए जा रहे मोहना औद्योगिक क्षेत्र, स्टोन पार्क व रंग मिल इंडस्ट्रीयल एरिया की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप औद्योगिक निवेश के लिये अनुकूल वातावरण का निर्माण और जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में कोई समस्या हो तो उसे तत्काल ध्यान में लाएं। बैठक में एमपी आईडीसी ग्वालियर की कार्यकारी निदेशक श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव, एसडीएम एवं भू-अर्जन अधिकारी सूर्यकांत त्रिपाठी, लोक निर्माण विभाग, सेतु संभाग के कार्यपालन यंत्री सहित औद्योगिक विकास निगम व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे। राज्य सरकार द्वारा मोहना में 210 हैक्टेयर से अधिक रकबे में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यहां पर अधोसंरचना के विकास के लिये सरकार द्वारा लगभग 140 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई है। मोहना में 162 औद्योगिक प्लॉट्स विकसित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार की उद्योग फ्रेंडली नीति की बदौलत ग्वालियर जिले को औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी मिलने जा रही है। देश के चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों में ग्वालियर जिले का मोहना औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल होगा।

निजी नौकरी छोड़ शुरु किया खुद का व्यवसाय, आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी सोनागिर की शशि जैन

दतिया (ए.)। सीमित आय और बढ़ते घरेलू खर्चों के बीच हिम्मत और सही मार्गदर्शन से कैसे सफलता हासिल की जा सकती है, इसका प्रेरक उदाहरण सोनागिर की निवासी श्रीमती शशि जैन ने प्रस्तुत किया है। निजी नौकरी छोड़कर स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का उनका निर्णय आज उन्हें एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर महिला के रूप में स्थापित कर चुका है। श्रीमती शशि जैन बताती हैं कि पहले वे एक निजी नौकरी करती थीं, जहां आय सीमित थी और उससे परिवार का खर्च चलाना कठिन हो रहा था। इसी दौरान उनकी मुलाकात जय माँ रतनगढ़ वाली समूह की एक महिला से हुई, जिन्होंने उन्हें शासन द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह की जानकारी दी।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ाः छात्राओं में नेतृत्व, आत्मरक्षा और सशक्तिकरण का संचार

विदिशा (ए.)। राजमाता विजया राजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग एवं कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार 10 से 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं की राजनीतिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ उनकी नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस पखवाड़े के अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी की शिक्षाविद् डॉ. अनीता शाक्य द्वारा नारी शिक्षा के विभिन्न आयाम विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिससे छात्राओं को शिक्षा के महत्व और अवसरों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं आत्मरक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय ब्लैक गोल्ड बेल्ट खिलाड़ी श्रीमती सोनम ठाकुर द्वारा जूडो-कराते का प्रशिक्षण दिया गया। इस

दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए स्वयं की सुरक्षा का संकल्प भी दिलाया गया। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सामाजिक कार्य के क्षेत्र में कार्यरत श्रीमती मीनाक्षी ठाकुर ने छात्राओं को कार्यस्थल पर लैंगिक समानता एवं महिला सुरक्षा विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. नीता पांडे ने नारी शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं संचालन डॉ. विनीता प्रजापति द्वारा किया गया। मेंटल हेल्थ क्लब की प्रभारी प्रो. नीतू दांगी ने आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रो. नीता दीक्षित, डॉ. मनोज अहिरवार, श्रीमती अदिति तिवारी, शकुन अहिरवार सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

बिना ई-टोकन खाद बेचना भारी पड़ा, डबरा के उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस निलंबित

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत ई-विकास (ई-टोकन) प्रणाली लागू की गई है। जिसके तहत शासकीय संस्थाओं के साथ-साथ निजी खाद विक्रेताओं को भी ई-टोकन व्यवस्था के तहत खाद वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बिना ई-टोकन के खाद बेचने वाले विक्रेताओं के लायसेंस निरस्त करने के निर्देश उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास को दिए हैं। इस कड़ी में उर्वरक वितरण नियमों का उल्लंघन करने पर पिछोर तिराहा डबरा स्थित प्राइवेट खाद विक्रेता फर्म श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र का उर्वरक विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास आर.बी.एस. जाटव ने बताया कि जांच और परीक्षण के दौरान पाया गया कि मेसर्स श्रीराम कृषि सेवा केंद्र, पिछोर तिराहा (डबरा) द्वारा 01 अप्रैल से 02 अप्रैल 2026 के मध्य बिना टोकन के खाद का विक्रय किया गया। नियम विरुद्ध खाद बेचने पर संबंधित फर्म (प्रोपेयटर शालिक राम बघेल) को विभाग द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। लेकिन फर्म द्वारा न तो समय सीमा में जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही विभागीय निर्देशों का पालन किया गया। इसे शासकीय आदेशों की स्पष्ट अवहेलना और गंभीर अनियमितता मानते हुए प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के खण्ड 31 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मेसर्स श्रीराम कृषि सेवा केंद्र के फुटकर उर्वरक विक्रय अधिकार पत्र (पंजीयन क्रमांक: R S/421/1401/4/2024) को निलंबित कर दिया गया है। लाइसेंस की वैधता 18 जनवरी 2029 तक थी, जो अब इस कार्रवाई के बाद प्रभावी नहीं रहेगी। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त उर्वरक विक्रेताओं को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या ई-टोकन प्रणाली के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसानों के हित में जारी सरकारी निर्देशों का पालन अनिवार्य है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन में तेजी, 4054 किसानों से 18,582 मीट्रिक टन खरीदी

विदिशा (ए.)। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य तेजी से जारी है। अब तक कुल 4054 किसानों से 18,582 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है, जो उपार्जन व्यवस्था की सुचारू संचालन का प्रमाण है। प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी उपार्जन केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए तौल, परिवहन, भुगतान एवं पंजीयन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। विशेष बात यह रही कि आज एक ही दिन में 9,355 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की गई, जो अब तक की दैनिक खरीदी में महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इससे स्पष्ट है कि किसान बड़ी संख्या में अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए उपार्जन केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित स्लॉट के अनुसार ही उपार्जन केंद्रों पर पहुंचें, जिससे भीड़भाड़ से बचा जा सके और खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित होती रहे।

एमपी बोर्ड 10वीं, 12वीं परीक्षा परिणाम घोषित

प्रदेश स्तरीय मेरिट लिस्ट में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को कलेक्टर ने दी बधाई

दतिया (ए.)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) द्वारा वर्ष 2026 के हाईस्कूल 10वीं एवं हायर सेकेंडरी 12वीं परीक्षा परिणाम आज बुधवार को घोषित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दतिया जिले का 10वीं में 9030 विधार्थी पंजीकृत हुए थे जिसमें से 8952 विधार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से 4493 विधार्थी उर्त्तीण, 3392 विधार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीण, 1100 विधार्थी द्धितीय श्रेणी तथा 1 विधार्थी तृतीय श्रेणी उर्त्तीण हुए। कक्षा 10वीं की परीक्षा का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 50.19 प्रतिशत रहा। कक्षा 12वीं में 7292 विधार्थियों का पंजीयन हुआ था जिसमें से 7243 विधार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें में 3920 विधार्थी उत्तीर्ण, 3058 विधार्थी प्रथम श्रेणी से, 862 विधार्थी द्धितीय श्रेणी से उर्त्तीण हुए। 12वीं कक्षा का कुल परीक्षा परिणाम 54.16 प्रतिशत दर्ज किया गया। 10वीं कक्षा में जिले के मेधावी छात्र-छात्राएं कक्षा 10वीं के जिन छात्र-छात्राओं ने प्रदेश के मेरिट लिस्ट में स्थान बनया है उनमें कु. छवि यादव शासकीय कन्या उमावि सेवढ़ा ने 494 अंक प्राप्त कर प्रदेश मेरिट में 6वां स्थान, आशीष यादव शासकीय हाईस्कूल खमरौरा ने 493 अंक प्राप्त कर 7वां स्थान, कु. तपस्या शर्मा शासकीय हाईस्कूल रावरी ने 490 अंक प्राप्त कर 10वां स्थान प्राप्त किया है। 12वीं कक्षा में जिले की मेधावी छात्रा कक्षा 12वीं की छात्रा कु. गायत्री यादव शासकीय उत्कृष्ट उमावि दतिया ने 485 अंक, प्रदेश मेरिट में 8वां स्थान प्राप्त किया है। कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े द्वारा प्रदेश मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने वाले सभी विधार्थियों को बघाई एवं शुभकांमनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कांमना की है। इसी प्रकार विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं

अभिभावकों ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस वर्ष की बोर्ड परिक्षाएं कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े के कुशल नेतृत्व में नकल रहित सम्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है। आगामी सत्र में और बेहतर परिणाम लाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जायेगी।

व्यापार समाचार

सोने में गिरावट,चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजार में बुधवार को आज सोने की कीमतों में गिरावट आई है जबकि कारोबार की शुरुआत में चांदी में तेजी रही। सोने के वायदा भाव में आज कमी रही। दूसरी ओर चांदी में तेजी आई। घरेलू बाजार में आज सोने के वायदा भाव 1,54,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,55,150 रुपये पर बने हुए थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत में आज कमी रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 60 रुपये नीचे आकर 1,54,757 रुपये के खुला। ये 1,54,850 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,54,651 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव 1,80,779 रुपये के भाव सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में आज बढ़त रही। इसका मई अनुबंध 1,593 रुपये बढ़कर 2,54,343 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,52,750 रुपये था। ये 2,55,617 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,54,155 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में बढ़त रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,862.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला जबकि इसका बंद भाव 4,850.10 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.70 डॉलर के भाव पर खुले। इसका बंद भाव 79.53 डॉलर था।

एलआईसी ने माईएलआईसी ऐप और सुपर सेल्स साथी ऐप किया लॉन्च

मुंबई, (ए.)। सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को माईएलआईसी और सुपर सेल्स साथी ऐप लॉन्च किए हैं। इससे अब पॉलिसी मैनेजमेंट, प्रीमियम पेमेंट और अन्य सेवाएं मोबाइल पर आसान हो जाएंगी।

कंपनी ने कहा कि माईएलआईसी ऐप ग्राहकों के लिए और सुपर सेल्स साथी ऐप मध्यस्थों यानी बिक्री बिचौलियों के लिए बनाया गया है। एलआईसी ने बताया कि इससे समय की बचत होगी, काम पहले से ज्यादा तेज और आसान होगा। कंपनी के मुताबिक माईएलआईसी ऐप अगली पीढ़ी का एक मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे इस अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए बनाया गया है कि पॉलिसीधारक अपने जीवन बीमा पोर्टफोलियो को कैसे प्रबंधित करेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1263, निफ्टी 388 अंक उछला

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल एशियाई सहित दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी होवी होने से आया है। अमेरिकी और ईरान के बीच संघर्ष शीर्ष समाप्त होने की बढ़ती उम्मीदों से भी बाजार में उत्साह है। इसी कारण आज बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में ही तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,263.67 बढ़कर 78,111.24 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 388.65 अंक बढ़कर 24,231.30 पर बंद हुआ। वहीं ब्रॉडर मार्केट में आज अधिक तेजी दिखी। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.20 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.35 फीसदी की तेजी दर्ज की।

वहीं, सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो सभी सेक्टर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए।

शेयर मार्किट में तूफानी तेजी, निवेशकों पर झमाझम बरसा पैसा, 9 लाख करोड़ की हुई कमाई

मुंबइ(ए.)। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों में 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,263.67 (1.63 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,111.24 स्तर पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 24,231.30 पर कारोबार करता नजर आया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,981.10 पर खुलकर 78,270.42 का इंट्रा-डे हाई छुआ, तो वहीं निफ्टी 24,163.80 पर खुलकर 24,280.90 का हाई टच किया। ब्रॉडर मार्केट में और ज्यादा तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.20 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 2.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

निवेशकों की दौलत में 9.11 लाख करोड़ का उछाल

बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,49,13,555.17 करोड़ था। आज यानी 15 अप्रैल 2026 को इक्विटी मार्केट का कारोबार बंद होने पर यह 4,58,25,183.95 करोड़ पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 911,628.78 करोड़ बढ़ गई है।

वहीं, सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो बुधवार को सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। निफ्टी आईटी, मेटल्स, पीएसयू बैंक, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। तो वहीं निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।निफ्टी 50 में 5 शेयरों को छोड़कर बाकी सभी में हरियाली देखने को मिली। इंडिगो, पावरग्रिड, इटरनल, मैक्स हेल्थ, विप्रो, एचडीएफसी लाइफ, टेक महिंद्रा, टीसीएस, हिंडाल्को, टीएमपीवी, एसबीआई लाइफ, एलएंडटी के शेयरों में 4 प्रतिशत से 3 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई, जबकि डॉ. रेड्डीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली।जानकारों का कहना है कि अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने के संकेत मिलने से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध को खत्म करने के लिए वार्ता अगले दो दिनों में पाकिस्तान में फिर से शुरू हो सकती है, इससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना और निवेशकों ने बंपर खरीदारी की।इस बीच, अमेरिकी-ईरान वार्ता के दूसरे दौर के बाद बेहतर होते बाजार भाव से रुपए में मजबूती आई और यह 93.50 पर पहुंच गया, जिसके चलते पिछले दो सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। एक विश्लेषक ने कहा, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, जो अब 94-95 डॉलर के दायरे की ओर फिसल रही है, भारत के आयात बिल पर दबाव कम कर रही है और रुपए को अल्पकालिक राहत प्रदान कर रही है।

जीरो टैक्स होने पर भी ITR भरना क्यों है जरूरी? जानें 5 बड़े फायदे

नई दिल्ली (ए.)। वित्त वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) में कई ऐसे करदाता हैं जिनकी आय टैक्स के दायरे से नीचे रह सकती है। इसका कारण सेक्शन 87ए के तहत मिलने वाली छूट, कटौतियां या पार्ट-टाइम काम, फ्रीलांसिंग और डिविडेंड जैसी कम आय हो सकती है।ऐसे में, एक आम सवाल उठता है कि जब टैक्स देनदारी शून्य है तो क्या इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरना जरूरी है? इसका जवाब है—हां, कई मामलों में 'निल आईटीआर' फाइल करना फायदेमंद और समझदारी भरा कदम होता है।जानकारों का कहना है कि असल में आईटीआर फाइल करना सिर्फ टैक्स चुकाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपकी सालाना आय का एक आधिकारिक रिकॉर्ड होता है, जो आयकर विभाग के पास दर्ज रहता है। भले ही आपकी टैक्स देनदारी शून्य हो, फिर भी आईटीआर भरने से आपकी वित्तीय हिस्ट्री साफ और व्यवस्थित रहती है, जो आगे चलकर कई कामों में मदद करती है।आज के डिजिटल दौर में आयकर विभाग एआईएस (एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट) और टीआईएस (टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन

समरी) जैसे टूल्स के जरिए आपकी बैंकिंग, निवेश, ब्याज, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी पहले से ट्रैक करता है। ऐसे में आईटीआर फाइल करने से आपका रिकॉर्ड सही और कानूनी रूप से अपडेट रहता है, जिससे किसी तरह की गड़बड़ी, नोटिस या जांच की संभावना कम हो जाती है।जानकारों के मुताबिक, अगर आपकी आय पर टैक्स नहीं बनता, तब भी टीडीएस कट सकता है, जैसे बैंक ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट, फ्रीलांसिंग या शेयरों से मिलने वाले डिविडेंड पर। आईटीआर फाइल करने से आप इस कटे हुए टैक्स का रिफंड आसानी से क्लेम कर सकते हैं। यही इसका एकमात्र वैध तरीका भी है।

इसके अलावा, बैंक और वित्तीय संस्थान लोन या क्रेडिट कार्ड देते समय आईटीआर को आय के प्रमाण के रूप में मांगते हैं। ऐसे में भले ही आपकी आय कम हो, लेकिन नियमित आईटीआर फाइल करने से आपकी विश्वसनीयता बढ़ती है और लोन मिलने की संभावना मजबूत होती है। विदेश यात्रा या पढ़ाई के लिए वीजा आवेदन में भी पिछले 3 से 5 साल के आईटीआर रिकॉर्ड मांगे जाते हैं। इससे आपकी वित्तीय स्थिति का आकलन किया जाता है, इसलिए निल आईटीआर फाइल करना भविष्य की योजनाओं के लिए भी जरूरी हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी साल आपको शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या बिजनेस में नुकसान हुआ है, तो आईटीआर फाइल करके आप उस नुकसान को आगे के वर्षों में एडजस्ट कर सकते हैं। इससे भविष्य में टैक्स बचत का फायदा मिलता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बच्चों को गहरा नुकसान

कोर्ट ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके संभावित दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लैटफॉर्म पर जानबूझ कर ऐसी तकनीकी व्यवस्था की है, जिससे यूजर्स को उन पर बने रहने की लत लग जाती है। खासकर बच्चों को इससे गहरा नुकसान हो रहा है। अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया की एक अदालत ने पिछले हफ्ते इस संबंध में एक दूरगामी महत्त्व का फैसला दिया। उसमें सोशल मीडिया कंपनियों मेटा (इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) को बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हानि पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन (लत डालने वाले) फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके हो सकने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन कंपनियों पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। यह फैसला एक 20 वर्षीय महिला की याचिका पर आया, जिसने बताया कि बचपन से ही इंस्टाग्राम और यूट्यूब के उपयोग ने उसके जीवन पर खराब असर डाला और उसकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाईं। इस फैसले को सोशल मीडिया कंपनियों के लिए पहला बड़ा कानूनी झटका माना गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अब मेटा और गूगल जैसी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म डिजाइन बदलने और उन्हें बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए दबाव बढ़ेगा। मगर ये बात अमेरिका के अंदर की है। बाहर में जब कभी किसी देश ने इन कंपनियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, अमेरिका सरकार अपनी कंपनियों के बचाव में आ खड़ी हुई है।डॉनल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह प्रवृत्ति अधिक आक्रामक नजर आई है। विनियमन की यूरोपियन यूनियन की कोशिश के खिलाफ ट्रंप खुद मोर्चा संभाले रहे हैँ। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच रोकने के ठोस कदम उठाए हैँ। भारत में भी ऐसी चर्चा हाल में तेज हुई है। कर्नाटक सरकार ने इस दिशा में पहल की है। मगर जब ऐसा कदम केंद्र के स्तर पर नहीं उठाया जाता, उसके प्रभावी होने की संभावना नहीं है। अत: नरेंद्र मोदी सरकार को कम-से-कम इस मामले में अमेरिकी दबाव की परवाह ना करते हुए ठोस वैधानिक पहल करनी चाहिए। बच्चों को सिर्फ कंज्यूमर समझने वाली कंपनियों को विनियमित करने की अति-आवश्यकता है।

हाथियों की विरासत: जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

- सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं। मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट

(16 अप्रैल हाथी बचाओ दिवस पर विशेष आलेख)

(2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69 प्रतिशत मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16 प्रतिशत रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं।

अमेरिका-ईरान संधि वार्ता..... लौट के वांस अमेरिका आये

डॉ. सुधीर सक्सेना

महाबली अमेरिका और जुझारू ईरान के दरम्यां अम्न-ओ-अमान की वार्ता फैसलाकुन साबित नहीं हुई और 21 घंटों में ही उसने दमतोड़ दिया, फलत: उपराष्ट्रपति जेडी वांस अपने सहयोगियों-कुश्नर और विटकोफ के साथ अमेरिका लौट आये। उन्होंने बेनतीजा वार्ता को अमेरिका के लिये बुरा और ईरान के लिये बहुत बुरा करार दिया, तो यह साफ हो गया कि अमेरिका को शांति की ज्यादा फिक्र नहीं है और उसके मन में ईरान को तबाह करने का मंसूबा सिर उठाये हुये है। इस्लामाबाद में हुयी शांति वार्ता में वांस की शिरकत से तेहरान को बड़ी उम्मीदें थीं। एक तो वह उदार माने जाते हैं, दूसरे अन्होंने 28 फरवरी से पेश्तर हंगरी में अपने बयान में ईरान पर धावे की मुखालफत की थी, लेकिन इस्लामाबाद में उनका रवैया अड़ियल रहा और वह ट्रंप के सुर में बोलते दिखे। यूं भी आतंकवादी राष्ट्र के फौजी शासक की पहल पर हुई यह वार्ता शुरू से ही आशंका के आवर्त में रही। वार्ता के दरम्यान इस्त्रायल ने दक्षिण लेबनान पर बमबारी जारी रखी और हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम को मार गिराने का दावा किया। उसकी बमबारी से शवयात्रा में शरीक लोगों समेत करीब डेढ़ हजार लोग हताहत हुये। इस पर तेहरान की आपत्ति पर तेल अवीव ने ढिठाई से उत्तर दिया कि उसका शांति वार्ता से कोई वास्ता नहीं है। इस बीच अमेरिका ने अपना विमानवाहक युद्धपोत भी होरमुज की ओर रवाना किया, जिसे ईरान के ऐतराज के बाद डाइवर्ट किया गया। इससे जाहिर है कि इस्त्रायल अपना ग्रेटर इस्त्रायल, जिसमें गाजा, सिनाई, गोलन हाइट्स समेत सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, मिस्त्र आदि के हिस्से शामिल हैं, के मिशन को पूरा करना चाहता है और ट्रंप ईरान को निर्णायक शिकस्त देना चाहते हैं।

नारी शक्ति वंदन: आधी आबादी का हक या 2029 का चुनावी दांव?

- दिलीप कुमार पाठक/

यदि महिलाएं सशक्त होती हैं और देश के शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी बढ़ती है, तो हमारे लोकतंत्र और समाज के लिए इससे बेहतर भला और क्या होगा। आधी आबादी को उनका हक मिलना सिर्फ न्याय नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन जब हम महिला आरक्षण से जुड़े हालिया घटनाक्रमों और इसके कानूनी पेचीदगियों को देखते हैं, तो साफ नजर आता है कि सरकार की मंशा इस मुद्दे पर पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। ऐसा लगता है कि इसे वास्तविक सशक्तिकरण के बजाय एक राजनीतिक हथियार के तौर पर अधिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इस कानून की सबसे बड़ी और बुनियादी कमी इसका शर्तों में बंधा होना है। सरकार ने बिल तो पास कर दिया, लेकिन इसके साथ एक ऐसी शर्त जोड़ दी जिसने इसे फिलहाल एक भविष्य का वादा बनाकर छोड़ दिया है। कानून के मुताबिक, आरक्षण तभी लागू होगा जब नई जनगणना होगी और उसके आधार पर सीटों का नया बंटवारा यानी परिसीमन होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस लंबी प्रक्रिया के कारण यह आरक्षण 2029 या शायद 2034 तक खिंच सकता है। सवाल यह उठता है कि अगर नीयत साफ थी, तो इसे तुरंत मौजूदा सीटों पर ही क्यों लागू नहीं किया गया? जनगणना और परिसीमन जैसी उलझी हुई प्रक्रियाओं के साथ जोड़कर सरकार ने इसे एक ऐसे

रास्ते पर डाल दिया है, जिसकी मंजिल का फिलहाल कोई पता नहीं है। जैसे ही सरकार सीटों के नए बंटवारे की बात करती है, दक्षिण भारतीय राज्यों की चिंता बढ़ जाती है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने पिछले कई सालों में जनसंख्या को काबू करने के लिए बहुत अच्छा काम किया है। अब तकनीकी दिक्कत यह है कि यदि सीटों का फैसला केवल आबादी के आधार पर होता है, तो उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की लोकसभा सीटें बहुत ज्यादा बढ़ जाएंगी और दक्षिण का राजनीतिक वजन कम हो जाएगा। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में सीटें अस्सी प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं, जबकि दक्षिण में यह बढ़ोतरी बहुत कम होगी। दक्षिण के राज्यों का कहना है कि उन्हें अच्छा काम करने की सजा दी जा रही है। सरकार ने इस क्षेत्रीय विवाद को सुलझाने का कोई पक्का रास्ता बताए बिना ही महिला आरक्षण को सीटों के बंटवारे से जोड़ दिया। इससे यह डर पैदा हो गया है कि महिलाओं को हक देने के नाम पर कहीं देश के अलग-अलग हिस्सों के बीच का तालमेल ही न बिगड़ जाए।

इस बिल की एक और बड़ी व्यावहारिक चिंता प्रॉक्सी संस्कृति और रसूखदार राजनीतिक घरानों का कब्जा है। इसे आसान भाषा में समझें तो यह नाम महिला का और काम पुरुष का वाली स्थिति है। गाँवों की पंचायतों में हमने अक्सर देखा है कि महिला चुनाव तो जीत जाती है, लेकिन दफ्तर में उसके पति, पिता या भाई बैठते हैं और सारे फैसले वही लेते हैं। इसे ही पति-सरपंच संस्कृति कहा जाता है। अब डर यह है कि विधानसभा और संसद में भी यही होगा। राजनीतिक पार्टियां जमीन से जुड़ी संघर्षशील महिलाओं के बजाय उन्हीं महिलाओं को टिकट देंगी जो पहले से ताकतवर राजनीतिक परिवारों से आती हैं। यानी एक आम महिला के लिए संसद के दरवाजे अभी भी बंद रह सकते हैं, क्योंकि आज के दौर में चुनाव लड़ना बहुत महंगा हो चुका है और महिलाओं के पास अपने खर्च के लिए पैसे नहीं होते। बिना सरकारी मदद या चुनावी खर्च में छूट के, यह आरक्षण केवल अमीर वर्ग की महिलाओं तक सिमट कर रह जाएगा। इसके अलावा, राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषदों को इस आरक्षण से बाहर रखना भी एक बड़ी खामी है। लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या अभी बहुत कम है, फिर भी बड़े सदनों में उनकी भागीदारी पर चुप रहना सरकार की सोच पर सवाल उठाता है।

मेष राशि- आज आपका दिन शानदार रहेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है। माता-पिता के साथ रिश्ते मधुर होंगे। जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बरकरार रहेगी। आपको जीवनसाथी से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष से खुशखबरी आपको मिल सकती है।

वृष राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। पर्यटन से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा। आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। परिवार में सदस्यों के साथ रिश्ते में सुधार होगा।आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएंगे। आपके काम से अधिकारी वर्ग भी खुश होंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। खेल कूद से जुड़े खिलाड़ियों को किसी बड़े टूर्नामेंट हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। आज के दिन यदि आप निर्णय धैर्य पूर्वक चिंतन करके करेंगे तो सफल अवश्य ही होंगे। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए।

कर्क राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके सारे जरूरी कामकाज पूरे हो जायेंगे। आज पैसे के लेन - देन संबंधी मामले में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आज किसी को पैसा उधार देने में पहले सोच-विचार करना बेहतर रहेगा। आज करीबी व्यक्ति आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है।

सिंह राशि-आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान आज निकल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिलेगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए आज आपको नये अवसर मिलेंगे। कामकाज में सफलता मिलेगी। दोस्तों से फायदा मिलने की उम्मीद है। जीवन में कार्य योजनाओं को कार्यान्वित करने भाई-बहनों से पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। बहुत दिनों से रुके हुए कार्य आज आज पूरे होंगे। घर का माहौल आज खुशनुमा रहेगा। इस राशि के छात्रों का आज पढ़ाई के प्रति रुझान बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ डिनर करने जा सकते है।

तुला राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपका ध्यान अपने कार्य को पूरा करने में रहेगा और ऑफिस में किसी काम को लेकर सीनीयर्स से गहन रूप से विचार-विमर्श करना पड़ेगा। इस राशि के छात्रों का दोस्तों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा आपकी दोस्ती और भी मजबूत होगी। आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आ सकती है, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभायेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज जो भी काम आप शुरू करेंगे उसे समय से पूरा कर लेंगे। आपकी प्रबल इच्छा शक्ति आपके लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकती है। लेन-देन के लिए आज का दिन अच्छा है। आज अपनी योजनाओं और गतिविधियों को सीक्रेट रखें। अनुभवी लोगों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए सहायक रहेगा।

धनु राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के लोगों को कारोबार बढ़ाने के लिए घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह लेना निकट भविष्य बहुत कारगर साबित होगा। पैसों के संबंध में अच्छी खबर मिलेगी, कामकाज से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आपके सोचे हुए सारे काम आज समय से पूरे होंगे। किसी सामाजिक समारोह में आपकी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपके लिए बहुत खास साबित होगा।

मकर राशि- आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ किसी खूबसूरत जगह का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आज बहुत बिजी शेड्यूल होने के बावजूद आप अपने जीवनसाथी के लिए समय निकलेंगे साथ में कुछ अच्छा वक्त बिताएंगे।

कुंभ राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग आज आपको मिलेगा। कारोबारियों को लाभ होगा। छात्रों के लिए आज का दिन बढ़िया है। करियर में बड़ी सफलता हासिल होगी। अगर आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह आज पूरा हो जाएगा।

मीन राशि-आज आपका दिन ठीक रहेगा। आपके मन में किसी बात को लेकर उत्साह रहेगा। कार्यक्षेत्र में अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। काम पूरा करने के लिए शायद आपको पर्याप्त समय न मिल पाये। परेशान होने के बजाय धैर्य से काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

बिहार में भाजपा का युग: एक नया राजनीतिक अध्याय

सौरभ वार्ष्णेय/

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना—ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है।

हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक

स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा।

बिहार में सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना

ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी।

अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है।

सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया।

डेढ़ करोड़ कैश देने पर राजी था पति, अगली सुनवाई में तलाक से मुकरी पत्नी, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की 26 साल पुरानी शादी

नई दिल्ली(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक अहम मामले में सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि आपसी सहमति से हुए अंतिम समझौते से पीछे हटना न्याय व्यवस्था को कमजोर करता है। कोर्ट ने पत्नी द्वारा समझौते से पलटने पर नाराजगी जताते हुए अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल कर विवाह को भंग कर दिया और 23 साल बाद दर्ज किए गए घरेलू हिंसा के मामले को भी रद्द कर दिया।

बेंच की सख्त टिप्पणी

यह फैसला जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस विजय विश्नोई की पीठ ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत अंतिम आदेश से पहले सहमति वापस ली जा सकती है, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच सभी विवादों का पूर्ण और अंतिम समझौता हो चुका हो, तो उससे पीछे हटना स्वीकार्य नहीं है।

समझौते के बाद बदला रुख, कोर्ट नाराज

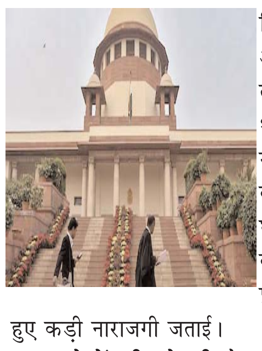

मामले में पति-पत्नी के बीच मध्यस्थता के जरिए सभी विवाद सुलझा लिए गए थे और आपसी सहमति से तलाक पर सहमति बन गई थी। हालांकि, अंतिम आदेश से पहले पत्नी ने सहमति वापस ले ली और साथ ही घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करा दिया। कोर्ट ने इसे न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई।

करोड़ों की ज्वेलरी के दावे पर सवाल

पत्नी ने अदालत में दावा किया कि समझौते के अलावा पति ने 120 करोड़ रुपये की ज्वेलरी और 50 करोड़ के सोने के बिस्किट लौटाने का मौखिक वादा किया था। इस पर कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस तरह के दावे न्याय प्रणाली के प्रति गंभीर असम्मान दर्शाते हैं, खासकर जब इन्हें लिखित रूप में दर्ज नहीं किया गया हो।

23 साल बाद दर्ज केस पर संदेह

कोर्ट ने यह भी कहा कि 23 साल की शादी के बाद पहली बार घरेलू हिंसा का मामला उठाया जाना संदेह पैदा करता है और यह विवाद को लंबा खींचने का प्रयास प्रतीत होता है।

जुर्माने की चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना उचित कारण समझौते से पीछे हटने पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। केवल धोखाधड़ी, दबाव या शर्तों के उल्लंघन जैसी परिस्थितियों में ही समझौते से पीछे हटना उचित माना जा सकता है।

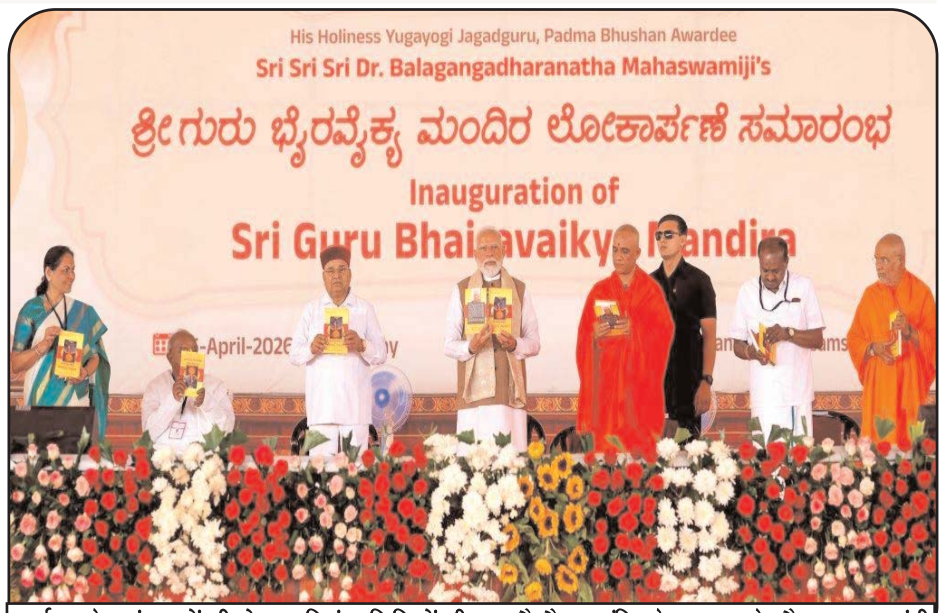

कर्नाटक के मांड्या में श्री क्षेत्र आदिचुंचनगिरि में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) प्रमुख एच. डी. देवेगौड़ा, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ।

बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना स्थित पुराने सचिवालय में शपथ ग्रहण समारोह के बाद अपना पदभार ग्रहण किया।

180 नाबालिग लड़कियां और 350 अश्लील वीडियो अमरावती सेक्स स्कैंडल कांड में शख्स गिरफ्तार

अमरावती(ए.)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक बड़े साइबर अपराध का खुलासा हुआ है, जहां 19 वर्षीय युवक को लड़कियों की आपत्तिजनक तस्वीरें और अश्लील वीडियो ऑनलाइन साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में आरोपी के पास से करीब 350 आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है, जबकि उसने कथित तौर पर 180 से अधिक नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाया।

कौन है आरोपी ?

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अयान अहमद उर्फ तनवीर अहमद के रूप में हुई है, जो अमरावती के परतवाड़ा क्षेत्र का निवासी है। उसे 11 अप्रैल को हिरासत में लिया गया, जब सोशल मीडिया पर कुछ लड़कियों के साथ उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनकी मर्जी के खिलाफ अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाता था और बाद में उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड कर बदनाम करता था।

मोबाइल फोन में मिले अहम सबूत

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए हैं। फोरेंसिक जांच के जरिए डिलीट किए गए डेटा को भी रिकवर किया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 294, पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी पीड़िता ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

पुलिस की अपील—पीड़ित सामने आएं

पुलिस ने पीड़ितों और उनके परिवारों से आगे आकर जांच में सहयोग करने की अपील की है और उनकी पहचान गोपनीय रखने का भरोसा दिया है।

गैंग की आशंका, SIT जांच की मांग

राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (SIT) से जांच कराने की मांग की है। उनका दावा है कि इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे WhatsApp और Snapchat पर ग्रुप बनाए गए थे। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि आरोपी अकेले काम कर रहा था या किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा था।

कैसे फंसाता था जाल में ?

जांच के अनुसार, आरोपी पहले पीड़ितों का भरोसा जीतकर उन्हें प्रेम संबंधों में फंसाता था। इसके बाद उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर उनकी मर्जी के बिना अश्लील वीडियो बनाता था। इन वीडियो के जरिए वह उन्हें ब्लैकमेल करता और कथित तौर पर वेश्यावृत्ति में धकेलने की कोशिश करता था। अधिकतर पीड़िताएं 16 से 17 वर्ष की छात्राएं बताई जा रही हैं, जो कोचिंग के दौरान उसके संपर्क में आईं।

सियासी रंग भी चढ़ा

इस मामले ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। आरोपी के कथित तौर पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) से जुड़े होने के

प्रधानमंत्री ने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में हुई दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में हुई दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा ऱ्पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में हुई दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

अखिलेश यादव बोले- महिला आरक्षण के बहाने ध्यान भटकाने की कोशिश में भाजपा, इनकी मंशा ठीक नहीं

लखनऊ,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को मुसाफिरखाना में भाजपा सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। एक दिवसीय दौरे पर सुल्तानपुर जाते समय उन्होंने महिला आरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था जैसे विषयों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा महिला आरक्षण लागू करने की नहीं दिखती। क्षेत्र निर्धारण और सीटों का स्पष्ट ब्योरा सामने नहीं आया है। जनगणना पूरी नहीं होने का भी जिक्र किया। उनका कहना रहा कि अन्य मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस विषय को उठाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति संतोषजनक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश की स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने संविधान के मूल सिद्धांतों की चर्चा करते हुए अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतीकात्मक कदमों से सम्मान नहीं बढ़ता, अधिकार सुनिश्चित होने से सम्मान मिलता है। उन्होंने आर्थिक मुद्दों पर भी बात रखी। महंगाई और बेरोजगारी में बढ़ोतरी का जिक्र किया। नोटबंदी के बाद भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। पत्रकारों पर कार्रवाई का भी उल्लेख किया। नोएडा में श्रमिकों के विरोध का हवाला देते हुए कहा कि श्रमिकों की मांगों पर ध्यान देना जरूरी है

तल्खी और बढ़ी.....मान सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीन ली

लुधियाना (ए.)। आम आदमी पार्टी (आप) और उसके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच का विवाद बढ़ता जा रहा है। पंजाब की भगवंत मान की अगुआई वाली आप सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा छीन ली है। पंजाब के सहप्रभारी, सांसद और राज्यसभा में उपनेता होने के नाते चड्ढा को पंजाब पुलिस की सुरक्षा मिली थी। आप के दिल्ली के नेता सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि चड्ढा को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सुरक्षा दे दी है। केंद्र सरकार आखिर राघव चड्ढा पर इतनी मेहरबान क्यों है? हालांकि, चड्ढा के करीबी सूत्रों के मुताबिक अभी उन्हें केंद्र से सुरक्षा नहीं मिली है। लेकिन जानकारी के मुताबिक उन्हें जल्द केंद्रीय सुरक्षा मिल सकती है। तब तक उन्हें दिल्ली पुलिस की सुरक्षा दी जा सकती है। 2 हफ्ते पहले आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी उपनेता के पद से हटाकर दूसरे सांसद अशोक मित्तल को यह पद दे दिया था। उसके बाद से ही आप और राघव चड्ढा के बीच खूब बयानबाजी भी चली।

इस बार नई पहल, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए राज्यों में शुरू हुआ हेल्थ अलर्ट अभियान

देहरादून (आरएनएस)। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने इस बार नई पहल शुरू की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में आने वाले स्वास्थ्य संबंधित दिक्कतों के प्रति श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए राज्यों में हेल्थ अलर्ट अभियान शुरू किया गया।

चारधाम यात्रा 2026 को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए सरकार ने इस बार स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की है। सचिव स्वास्थ्य सचिन कुर्वे के दिशानिर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष हेल्थ एडवाइजरी जारी की है।इसका उद्देश्य यात्रा के दौरान होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को पहले ही कम करना और जागरूकता बढ़ाना है। इसके अलावा अंतरराज्यीय समन्वय की ठोस पहल शुरू की है। सहायक निदेशक डॉ. अमित शुक्ला ने राजस्थान का दौरा कर वहां के प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक कर स्वास्थ्य सुझावों और दिशानिर्देशों को साझा किया।बैठक में निर्णय लिया गया कि चारधाम यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य हित को सर्वोपरि रखते हुए इन दिशानिर्देशों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि राजस्थान से आने वाले तीर्थयात्रियों को यात्रा से पूर्व ही आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सावधानियां और गाइडलाइन स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाएं, जिससे तीर्थयात्री पूरी तैयारी और जागरूकता के साथ यात्रा पर निकलें

प्रथम नौसेना कमांडर सम्मेलन नई दिल्ली के नौ सेना भवन में शुरू

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रथम भारतीय नौसेना कमांडर सम्मेलन 2026 14 अप्रैल, 2026 को नौ सेना भवन में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के उद्घाटन भाषण के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व, बाहरी संचालन और क्षेत्र कमांडरों तथा कमांड मुख्यालय और नौसेना मुख्यालय के कर्मचारियों को संबोधित किया। नौसेना प्रमुख ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ऊर्जा सुरक्षा सहित भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने, अभियानों की गति बढ़ाने और अंतर-सेवा समन्वय को मजबूत करने में नौसेना की उपलब्धियों की सराहना की। नौसेना प्रमुख ने भविष्य के लिए तैयार बल के निर्माण हेतु युद्ध की तैयारी पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर बल दिया।नौसेना प्रमुख ने उभरते भू-रणनीतिक परिदृश्य में हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए बहुपक्षीय और द्विपक्षीय अभ्यासों में मित्र देशों (एफएफसी) के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से एकजुट और विश्वसनीय दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। नौसेना प्रमुख ने उभरते भू-रणनीतिक परिदृश्य में हिंद महासागर क्षेत्र और उससे परे भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए बहुपक्षीय और द्विपक्षीय अभ्यासों में मित्र देशों (एफएफसी) के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से एकजुट और विश्वसनीय दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान संयुक्तता, क्षमता संवर्धन (समुद्री और जमीनी स्तर पर), रखरखाव और मरम्मत, बहु-क्षेत्रीय सुरक्षा पद्धतियां, प्रशिक्षण, विदेशी सहयोग, मानव संसाधन मुद्दे और नवाचार एवं स्वदेशीकरण से संबंधित प्रमुख मुद्दों सहित संचालन संबंधी मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

भौकाल दिखाना पड़ा महंगाः अर्धनग्न होकर चलती कार की सनरूफ से स्टंट कर रहा था युवक, पुलिस ने थमाया 21,500 रुपए का चालान

हापुड़ (ए.)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में नेशनल हाईवे-9 (दिल्ली-लखनऊ हाईवे) पर रील और स्टंट के चक्कर में अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डालने वाले एक युवक को पुलिस ने करारा सबक सिखाया है। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की सनरूफ से अर्धनग्न हालत में बाहर निकलकर स्टंट कर रहे इस युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इस घोर लापरवाही का संज्ञान लेते हुए हापुड़ ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और मोटर वाहन नियमों के उल्लंघन में 21,500 रुपये का भारी-भरकम ऑनलाइन चालान थमा दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, हाईवे पर फर्राटा भरती एक कार के भीतर कानफोडू आवाज में गाने बज रहे थे और एक युवक सनरूफ से आधा बाहर निकलकर खतरनाक तरीके से हंगामा करते हुए अपना 'भौकाल' दिखा रहा था। सड़क पर स्टंटबाजी का यह नजारा देखकर पीछे चल रहे एक अन्य राहगीर ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया और उसे इंटरनेट पर शेयर कर दिया। वीडियो के वायरल होते ही हापुड़ पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। यातायात पुलिस ने वीडियो की गहनता से जांच कर गाड़ी के नंबर को ट्रेस किया और बिना देरी किए एमवी (M V) एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत 21,500 रुपये का ई-चालान काट दिया। स्टंटबाजों पर नकेल कसने के लिए की गई इस त्वरित कार्रवाई के बाद हापुड़ के यातायात निरीक्षक नरेश कुमार ने जिलेवासियों से एक विशेष अपील की है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे यातायात नियमों के अनुरूप ही अपने वाहनों का प्रयोग करें और सड़क पर ऐसा कोई भी स्टंट या लापरवाही न करें जिससे किसी की भी जान पर बन आए। पुलिस ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि हाईवे या सड़कों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी चालक को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कठोर विधिक कार्रवाई जारी रहेगी।

गौतमबुद्धनगर में आउटसोर्सिंग एजेंसियों को सख्त चेतावनी, उपद्रव पर होगी कड़ी कार्रवाई, ब्लैकलिस्ट होंगी एजेंसियां

गौतमबुद्धनगर(आरएनएस)। जनपद में औद्योगिक शांति बनाए रखने और शासन की गाइडलाइंस का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में सम्पन्न हुई, जिसमें विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से जुड़ी आउटसोर्सिंग एजेंसियों और संविदाकारों ने भाग लिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि सभी आउटसोर्सिंग एजेंसियां अपने कर्मचारियों और श्रमिकों को अनुशासित बनाए रखने की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में एजेंसियों और संविदाकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे न केवल उद्योगों को चलाने में सहयोग करते हैं बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं।जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी एजेंसी या उसके कर्मचारी/श्रमिक द्वारा उपद्रवी व्यवहार किया जाता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की भी मानी जाएगी। ऐसे मामलों में एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और उसका लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन ने यह साफ कर दिया है कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।बैठक में न्यूनतम वेतन को लेकर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार अकुशल श्रमिकों के लिए 13,690, अर्धकुशल श्रमिकों के लिए 15,059 और कुशल श्रमिकों के लिए 16,868 प्रतिमाह वेतन तय किया गया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका, अग्रिम जमानत पर लगी रोक

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के मामले में खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट से मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में नोटिस जारी कर तीन हफ्ते के भीतर जवाब भी तलब किया है।

यह पूरा विवाद पवन खेड़ा द्वारा किए गए उन दावों से शुरू हुआ था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनीकी भुइयां के पास अलग-अलग देशों के कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं। इन आरोपों के बाद रिनीकी भुइयां ने असम पुलिस में खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। असम पुलिस की कार्रवाई और संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां से 10 अप्रैल को उन्हें एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम

जमानत मिल गई थी। असम सरकार ने हाईकोर्ट के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ के समक्ष असम सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) तुषार मेहता ने कड़ी दलीलें रखीं। सुनवाई के दौरान सबसे अहम मोड़ तब आया जब एसजी ने बताया कि खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट में अधिकार क्षेत्र साबित करने के लिए अपनी पत्नी का आधार कार्ड पेश किया था। उन्होंने कोर्ट को बताया कि रिकॉर्ड पर रखे गए आधार कार्ड के मुख्य पृष्ठ पर तो नाम है, लेकिन पीछे उनकी पत्नी का दिल्ली का पता दर्ज है। तुषार मेहता ने इसे कानून का खुला दुरुपयोग और 'अपनी सुविधानुसार कोर्ट चुनने' (फोरम शॉपिंग) का मामला बताया।सॉलिसिटर जनरल की दलीलों को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी एक गलत या फर्जी दस्तावेज पेश करके हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने के प्रयास पर हैरानी जताई। इन सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अदालत ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पवन खेड़ा के लिए कानूनी रास्ता खुला रखते हुए स्पष्ट किया है कि अगर वह अब असम की किसी उचित और अधिकार क्षेत्र वाली अदालत में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दाखिल करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस स्टे (रोक) वाले आदेश का उस याचिका पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

घायलों के बेहतर उपचार हेतु कलेक्टर-एसपी मुस्तैद

रायपुर,(आरएनएस)। सक्ति जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता प्लांट में बॉयलर फटने से हुए भीषण हादसे के बाद जिला प्रशासन त्वरित रूप से सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय घटना एवं घायलों के उपचार को लेकर कलेक्टर अमृत विकास टोपनो तथा पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर से लगातार संपर्क में हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी लगातार स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और कलेक्टर के साथ समन्वय बनाए हुए हैं।घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसपी तथा प्रशासन की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। घायलों को प्राथमिकता के साथ रायगढ़ के फोर्टीस हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज एवं अपेक्स अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर उपचार हेतु रायपुर के कालड़ा अस्पताल रेफर किया गया। प्रशासन द्वारा घटनास्थल को बैरिकेड कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।कलेक्टर श्री टोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है।

मुंह की बदबू से परेशान हैं? इन 5 तरीकों से करें दूर

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी जूझता है। यह समस्या न केवल आत्मविश्वास को कम करती है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी रुकावट डाल सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने मुंह की बदबू को दूर कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं।

रोजाना ब्रश करें

रोजाना दो बार ब्रश करना बहुत जरूरी है। सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले ब्रश करें ताकि आपके दांत साफ रहें और कीटाणु न पनप सकें। सही तरीके से ब्रश करने से मुंह की बदबू भी दूर होती है। इसके लिए नरम बालों वाले ब्रश का उपयोग करें और फ्लोराइड वाला पेस्ट इस्तेमाल करें। ब्रश करते समय हल्के हाथों से दांतों के हर कोने को अच्छे से साफ करें।

जीभ को साफ रखें

जीभ पर भी कीटाणु जमा होते हैं, जो मुंह की बदबू का कारण बन सकते हैं। इसलिए रोजाना ब्रश करने के साथ-साथ अपनी जीभ को भी साफ करें। इसके लिए आप जीभ साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर नरम ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ सकते हैं। जीभ को साफ रखने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं बिना किसी चिंता के।

पानी पिएं

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इससे आपके शरीर में नमी बनी रहती है और लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा पानी पीने से आपके गले और मुंह की सफाई होती रहती है। अगर आप नियमित रूप से पानी पीते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

च्युइंग गम चबाएं

बिना चीनी वाली च्युइंग गम चबाने से भी मुंह की बदबू दूर होती है। इससे लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा च्युइंग गम चबाने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से च्युइंग गम चबाते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

नियमित रूप से दांतों का निरीक्षण कराएं

हर छह महीने में दांतों का निरीक्षण करवाना जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार की समस्या समय रहते पता लग सके और उसका इलाज हो सके। दांतों के डॉक्टर आपकी ओरल हाइजीन पर ध्यान देंगे और आपको सही सलाह देंगे जिससे आपकी मुंह की बदबू दूर हो सकेगी। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं।

होंठों की देखभाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, होंठ लगेंगे खूबसूरत

होंठों की देखभाल करना बहुत जरूरी है क्योंकि ये चेहरे की सुंदरता में अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, कई लोग होंठों की देखभाल करते समय अनजाने में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे उनके होंठ स्वस्थ नहीं रह पाते। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिन्हें हमें करने से बचना चाहिए ताकि हमारे होंठ हमेशा सुंदर और स्वस्थ रहें।

सही लिप बाम का चयन न करना

लिप बाम का चयन करते समय कई लोग सिर्फ खुशबू या रंग देखकर ही चुन लेते हैं, जो कि गलत है। आपको ऐसा लिप बाम चुनना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक तत्व हों जैसे कि नारियल का तेल, बादाम का तेल या शिया बटर। ये तत्व आपके होंठों को गहराई से पोषण देते हैं और उन्हें सूखने से बचाते हैं। इसके अलावा सूरज की किरणों से बचाने वाला लिप बाम भी जरूरी है ताकि होंठ सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें।

पानी की कमी पर ध्यान न देना

पानी की कमी से हमारा शरीर ही नहीं बल्कि हमारे होंठ भी प्रभावित होते हैं। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो होंठ सूखे और फटे हुए दिखते हैं। इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा तरबूज, खीरा जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन भी करें। इससे न केवल आपकी सेहत बेहतर होगी बल्कि आपके होंठ भी स्वस्थ रहेंगे।

रात को लिप बाम न लगाना

रात को सोने से पहले अगर आप अपने होंठों पर लिप बाम लगाते हैं तो यह आपकी आदत बननी चाहिए। सोते समय आपके होंठ लंबे समय तक लिप बाम के संपर्क में रहते हैं, जिससे वे सुबह उठकर ताजगी महसूस करते हैं और फटे नहीं दिखते। इसलिए रात को सोने से पहले हमेशा अपने होंठों पर लिप बाम लगाएं ताकि वे नमी बनाए रखें और स्वस्थ रहें।

स्क्रब न करना

जैसे चेहरे की मृत त्वचा हटाना जरूरी होता है, वैसे ही होंठों की मृत त्वचा हटाना भी जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते तो होंठ रूखे और फटे दिखते हैं। आप घर पर ही शक्कर और शहद का मिश्रण बनाकर इसका उपयोग कर सकते हैं। इससे आपके होंठ मुलायम होंगे और उनकी प्राकृतिक रंगत भी वापस आएगी। नियमित रूप से यह प्रक्रिया करने से आपके होंठ स्वस्थ और आकर्षक दिखेंगे।

बिना सुरक्षा के धूप में निकलना

धूप में बिना लिप बाम लगाए बाहर निकलना भी एक बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि सूरज की किरणें आपके होंठों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए जब भी आप घर से बाहर जाएं तो अपने होंठों पर सूरज से बचाने वाला लिप बाम जरूर लगाएं ताकि वे सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपने होंठों को हमेशा सुंदर और स्वस्थ रख सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत' रफ्तार धीमी, रिलीज के चौथे दिन किया इतना कलेक्शन

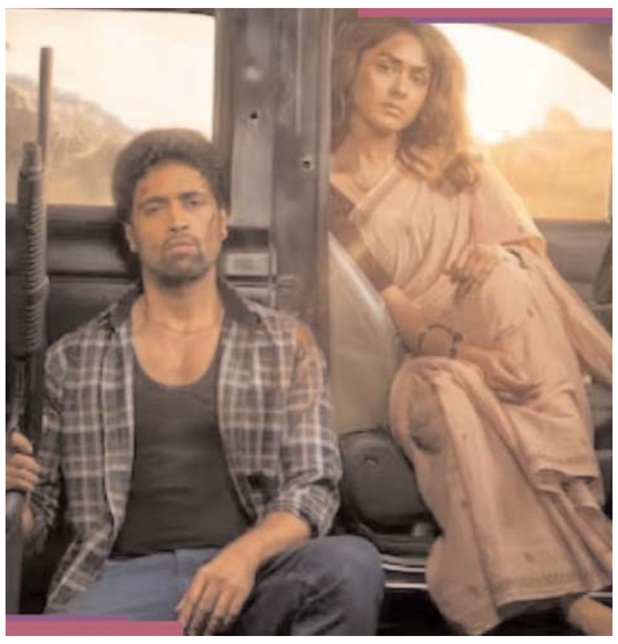

मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड फिल्म डकैत: ए लव स्टोरी 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस रोमांटिक एक्शन थ्रिलर को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला. फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक परफॉर्म कर रही है. ठीक शुरुआत के बाद, फिल्म ने पहले वीकेंड भी अपनी रफ्तार बरकरार रखी हालांकि ये डबल डिजिट में कमाई नहीं कर पाई है. चलिए यहां जानते हैं डकैत' ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे टेस्ट में कैसा परफॉर्म किया है.बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत के बाद, अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म डकैत से वीकेंड में और भी रफ्तार पकड़ने की उम्मीद थी. शनिवार को फिल्म ने थोड़ी तेजी भी दिखाई. फिर रविवार को एक्स्ट्रा शो दिखाए जाने के बावजूद, फिल्म की कमाई में मंदी देखी गई. वहीं चौथे दिन यानी सोमवार को भी इसके कलेक्शन में काफी गिरावट देखी जा रही है.डकैत' की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने 6.55 करोड़ के कलेक्शन के साथ ओपनिंग की थी. इसके बाद दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.85 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं तीसरे दिन की कमाई 6.40 करोड़ रुपये रही. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक डकैत' ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 2.70 करोड़ कमाए हैं। इसी के साथ डकैत' की भारत में चार दिनों की नेट कमाई अब 22.50 करोड़ रुपये हो गई है. डकैत' का बजट 70 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और इस फिल्म ने अपनी लागत के मुकाबले चार दिन में 22.50 करोड़ कमाए हैं. यानी ये फिल्म अपना आधा बजट भी वसूल नहीं पाई है. अगर यही हाल रहा तो इस फिल्म पर फ्लॉप होने का खतरा मंडराता हुआ दिख रहा है. वैसे भी इस शुक्रवार को प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी की फिल्म भूत बंगला रिलीज हो रही है. इस फिल्म के आने से डकैत'की कमाई पर और असर पड़ेगा. देखने वाली बात होगी कि डकैत' फ्राइडे तक कितनी कमाई कर पाती है. डकैत निर्देशक शेनेल देव की पहली फिल्म है. इसकी कहानी दो एक्स लवर्स पर बेस्ड है जिन्हें कई डकैतियों को अंजाम देने के लिए मजबूरन फिर से एक साथ आना पड़ता है. फिल्म का निर्माण अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने किया है और इसमें प्रकाश राज और अनुराग कश्यप भी अहम भूमिकाओं में हैं. सुनील, ज़ैन मैरी खान और अतुल कुलकर्णी ने फिल्म में सपोर्टिंग रोल प्ले किया है।

बैकलेस व्हाइट आउटफिट में जाह्नवी कपूर का दिखा ग्लैमरस अंदाज, तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर काटा बवाल

जाह्नवी कपूर एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस और सिजलिंग अंदाज देखने को मिल रहा है.लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी कपूर व्हाइट कलर के आउटफिट में दिखाई दे रही हैं,जो बैकलेस डिजाइन का है.तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही स्टाइलिश और एलीगेंट लग रही हैं.जाह्नवी कपूर ने अपने आउटफिट को काफी ग्रेसफुली कैरी किया हुआ है, लेकिन बैकलेस स्टाइल ने उनके पूरे लुक को ग्लैमरस टच दिया है. सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें शेयर की गईं, वो वायरल होने लगीं.फैंस को जाह्नवी कपूर का ये नया अवतार बेहद पसंद आ रहा है. फैंस से लेकर सेलेब्स तक उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं. फैंस उनके लुक को स्टनिंग और गॉर्जियस बता रहे हैं.फैंस जाह्नवी के कॉन्फिडेंस और फैशन सेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं. एक्ट्रेस हमेशा ही अपने फैशन चॉइस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं.जाह्नवी कपूर अक्सर ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न आउटफिट्स तक में एक्सपेरिमेंट करती नजर आती हैं और हर बार अपने लुक से फैंस को इंप्रेस करती हैं।

भूत बंगला का गाना ओ सुंदरी जारी, अक्षय कुमार का डांस कर देगा कायल

अक्षय कुमार की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला इन दिनों इंटरनेट पर छाई हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहली बार अक्षय के साथ वामिका गब्बी मुख्य किरदार में नजर आई हैं। राजपाल यादव, तब्बू, परेश रावल और असरानी भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। निर्माताओं ने फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से नया गाना ओ सुंदरी जारी कर दिया है। शादी-संगीत के समारोह पर आधारित यह गाना आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। अक्षय ने ओ सुंदरी को जारी करते हुए लिखा, सुंदरी देवियों, अब डांस फ्लोर पर धमाल मचाने का समय आ गया है! इस गाने को विशाल मिश्रा, नकाश अजीज और अंतरा मित्रा ने मिलकर गाया है।

भूत बंगला का गाना ओ सुंदरी किसी भी फैमिली सेलिब्रेशन का मजा बढ़ा देगा। दुल्हन बनीं मिथिला पालकर बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं अक्षय कुमार और वामीका गब्बी अपने डांस मूव्स से स्टेज पर आग लगा रहे हैं। यह गाना अक्षय और मिथिला के बीच भाई-बहन के प्यारे रिश्ते को बखूबी दिखाता है। काफी समय बाद इतना शानदार और विजुअली रिच फैमिली सॉन्ग देखने को मिला है। हालांकि फिल्म हॉरर-कॉमेडी है, लेकिन यह गाना उसमें एक अलग ही रंग भर देता है। रिलीज के एक घंटे के भीतर ही इस गाने को एक लाख से ज्यादा व्यूज मिल गए हैं। इस गाने को सबसे स्पेशल इसकी कोरियोग्राफी बना रही है, इसके अलावा मिथला के एक्सप्रेशन भी ऑन प्रॉइंट है। कुछ-कुछ

फन इलिमेंट भी देखने को मिल रहे हैं। इसका संगीत प्रीतम ने दिया है, जबकि बोल कुमार द्वारा लिखे गए हैं। गाने में अक्षय और वामिका को धमाकेदार डांस करते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ मिथिला पालकर भी नजर आईं, जिन्होंने फिल्म में अभिनेता की बहन का किरदार निभाया है।

बालाजी मोशन पिक्चर्स, केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से पेश करते हैं अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव स्टारर भूत बंगला। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित और अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई भूत बंगला के पेड प्रिव्यू थिएटर्स में 16 अप्रैल 2026 को रात 9 बजे से शुरू होंगे। 17 अप्रैल से फिल्म पूरी तरह रिलीज होगी।

उम्र 40 साल, अब तक क्यों कुंवारी हैं शक्ति मोहन? बताया क्यों नहीं की शादी

डांस इंडिया डांस 2 की विनर बनने के बाद शक्ति मोहन ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई. वो एक पॉपुलर कोरियोग्राफर होने के साथ-साथ डांस स्टूडियो की भी मालकिन हैं. हाल ही में शक्ति को सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में देखा गया. इस दौरान उन्होंने अपनी शादी और फैमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की। शक्ति मोहन ने इस पॉडकास्ट में बताया कि आखिर 40 की उम्र में भी वो कुंवारी क्यों हैं. शक्ति ने कहा,बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में बहुत बार पूछते हैं. मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई मिल गया है, मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं. वो मुझसे कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो। शक्ति मोहन ने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए कहा,मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है. मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है. ये समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है.उन्होंने आगे कहा,अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है. अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे इस बारे में क्यों सोचना चाहिए.इस पॉडकास्ट में शक्ति मोहन ने कहा कि वो वो सिंगल हैं.साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके अंदर मदरहुड की फीलिंग भी नहीं है और कभी भी उनकी मां बनने की इच्छा नहीं हुई.शक्ति ने बताया कि दो बार उनका दिल टूट चुका था, उसके बाद उन्हें जब धोखा मिला तो उन्हें काफी परेशानी हुई.शक्ति मोहन ने बताया,मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला. मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया.लेकिन मेरी मां ने कहा कि वो अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था, और मुझे इसे भूल जाना चाहिए. शक्ति मोहन ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा कि लड़के ऐसे ही होते हैं और इसे स्वीकार कर लो. लेकिन, उन्होंने अपनी मां से कहा कि मैं ऐसे लड़के को अपनी लाइफ में एक्सेप्ट नहीं करूंगी. अगर लड़के ऐसे ही होते हैं तो मुझे अपनी लाइफ में कोई भी लड़का नहीं चाहिए।

'धुरंधर 2' ने चौथे मंडे भी काटा गदर, नई रिलीज फिल्मों के आगे भी कमा डाले करोड़ों, ये रिकॉर्ड भी किया अपने नाम

रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर सीक्वल फिल्म 'धुरंधर 2' ने 19 मार्च को रिलीज होने के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त दबदबा बनाए रखा और लगातार रिकॉर्ड तोड़े. फिल्म ने भारत में 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बनकर इतिहास रच दिया.वहीं तीन हफ्तों तक गदर काटने के बाद अब ये चौथे हफ्ते में पहुंच चुकी है और अब भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. हालांकि इसकी कमाई में गिरावट भी दर्ज की जा रही है. चलिए यहां जानते हैं 'धुरंधर 2' ने रिलीजके 26वें दिन यानी चौथे मंडे को कितना कलेक्शन किया है?

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर 2' पहले दिन से ही धूम मचा रही है और चौथे हफ्ते में भी इसकी रफ्तार बरकरार है. दिलचस्प बात ये है कि बॉक्स ऑफिस पर आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत' और प्रदीप रंगनाथन की तमिल साइंस-फिक्शन रोमांस फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' जैसी नई रिलीज़ को भी इस 26 दिन पुरानी फिल्म ने पछाड़ दिया है. हालांकि चौथे वीकेंड पर धमाकेदार परफॉर्म करने के बाद चौथे मंडे यानी 26वें दिन इसकी कमाई में मंदी भी देखी गई.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक, 'धुरंधर 2' ने सिनेमाघरों में अपने पांचवें मंडे को 5.20 करोड़ का कलेक्शन किया है. यह फिल्म का अब तक का सबसे कम सिंगल डे कलेक्शन है. इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय ग्रॉस कलेक्शन 1303.37 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 1088.62 करोड़ हो गया है.बता दें कि धुरंधर 2 ने रिलीज़ के पहले हफ्ते में 674.17 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे वीक में फिल्म ने 263.65 करोड़ कमाए. तीसरे हफ्ते के एंड तक फिल्म का कलेक्शन 110.60 करोड़ रहा'धुरंधर 2' ने चौथे मंडे बेशक अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है. बावजूद इसके रणवीर सिंह स्टारर ने भारत में चौथे सोमवार सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. बता दें कि पहले नंबर पर धुरंधर (11.2 करोड़) है, उसके बाद पुष्पा 2 (7.55 करोड़) का नंबर आता है.धुरंधर 2 का निर्देशन आदित्य धर ने किया है और इसका निर्माण आदित्य धर, लोकेश धर और ज्योति देशपांडे ने बी62 स्टूडियोज और जियो स्टूडियोज के बैनर तले किया है. फिल्म में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। और ये दिसंबर 2025 की ब्लॉकबस्टर धुरंधर की सीक्वल है।

कप्तान रहाणे ने केकेआर की लगातार हार का जिम्मेदार इन खिलाड़ियों को ठहराया

नईदिल्ली,(ए.)। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीजन खराब प्रदर्शन जारी है. अब इस टीम को पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसकी वजह से उनको एक अंक मिल गया। इस सीजन 14 अप्रैल को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए अपने पांचवें मैच में केकेआर को चेन्नई सुपर किंग्स से 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा. 192 रनों के लक्ष्य को केकेआर चेज नहीं कर सकी और 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 160 रन ही बना सकी। मैच के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने माना कि बैटिंग में मोमेंटम की कमी कोलकाता नाइट राइडर्स को लगातार नुकसान पहुंचा रही है. हालांकि, उन्होंने बॉलिंग यूनिट की तारीफ की, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा. टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए रहाणे ने बताया कि पावर-प्ले में मुश्किल शुरुआत के बाद भी केकेआर के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। हार के बाद केकेआर के कप्तान ने कहा, बैटिंग में कोई खास मोमेंटम नहीं था. बिल्कुल सही बात है. मुझे लगा कि बॉलिंग में हमने बहुत अच्छी वापसी की. इस विकेट पर 190 रन का स्कोर काफी अच्छा था, खासकर पावर-प्ले में जिस तरह उन्होंने 70 के करीब रन बनाए थे. उसके बाद स्कोर को 190 तक सीमित रखना हमारी बॉलिंग यूनिट का शानदार काम था। गेंदबाजों की कोशिशों के बावजूद, रहाणे ने माना कि बैटिंग यूनिट इसका फायदा नहीं उठा पाई, खासकर पावर-प्ले में, जहां केकेआर की शुरुआत काफी धीमी रही. उन्होंने कहा, मुझे लगा कि शुरुआत में हमारी बैटिंग काफी धीमी रही, पावर-प्ले में हम सिर्फ 36 या 37 रन ही बना पाए. मुझे लगता है कि यह एक अहम बात थी।

सनराइजर्स हैदराबाद को लगा बड़ा झटका, चोटिल गेंदबाज ब्रायडन कार्स टूर्नामेंट से हुआ बाहर, दिलशान मदुशंका को मिला मौका

नईदिल्ली, (ए.)। सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2026 के बीच एक बड़ा झटका लगा है. टीम के ऑलराउंडर ब्रायडन कार्स चोट के कारण एक भी मैच खेले बिना ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. टीम ने कार्स की जगह श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल करने की घोषणा भी कर दी है. कार्स को हैदराबाद ने 1 करोड़ में रिटेन किया था. जबकि मदुशंका को 75 लाख रुपये में टीम में साइन किया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा, सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के बाकी मैचों के लिए ब्रायडन कार्स की जगह दिलशान मदुशंका को चुना है. कार्स चोट के कारण आईपीएल के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं. बयान में आगे कहा गया, दिलशान मदुशंका, जो एक बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज हैं, ने श्रीलंका के लिए एक टेस्ट, 28 वनडे और 19 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 विकेट दर्ज हैं. वह सनराइजर्स हैदराबाद के साथ 75 लाख रुपये में जुड़ेंगे. यह श्रीलंकाई गेंदबाज इससे पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा था.मदुशंका ने आईपीएल में अब तक कोई मैच नहीं खेला है. उन्हें 2024 में मुंबई इंडियंस ने 4.6 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे.मदुशंका के आने से सनराइजर्स हैदराबाद की गेंदबाजी यूनिट और मजबूत होगी. 25 साल के यह श्रीलंकाई बाएं हाथ के तेज गेंदबाज पावर प्ले के शुरुआती ओवरों में गेंद को स्विंग कराने की अपनी काबिलियत के लिए जाने जाते हैं।

अंक तालिका में आठवें नंबर पर पहुंची सीएसके, केकेआर अंतिम स्थान पर

मुम्बई (ए.)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद अंकतालिका में हल्का बदलाव आया है हालांकि शीर्ष सात टीमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सीएसके जीत के साथ ही अब आठवें नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं हार के कारया केकेआर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। अंक तालिका मेंसीर्ष पर राजस्थान रॉयल्स बनी हुई है। वह पांच मैचों में से चार मैचों में जीत हासिल करने में सफल रही है। रॉयल्स अकेली टीम है जिसके 8 अंक हैं। वहीं दूसरे स्थान पर पंजाब किंग्स है, जिसने चार में से तीन मैच जीते हैं और एक मैच का परिणाम नहीं आया। पंजाब के 7 अंक हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) चार में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसने पांच में से दो मैच जीते हैं।पांचवें नंबर पर इस वक्त दिल्ली कैपिटल्स है, जो 4 में से 2 मैच जीती है। छठे स्थान पर गुजरात टाइटन्स है और सातवें पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है। दिल्ली, गुजरात और लखनऊ ने 4-4 मैच खेले हैं। 2-2 मैच उनमें से जीते हैं। दो-दो अंक इन टीमों के हैं।वहीं, 8वें स्थान पर अब चेन्नई सुपर किंग्स पहुंच गई है, जिसे केकेआर के खिलाफ मिली जीत का लाभ हुआ है। वहीं मुंबई इंडियंस 9 वें स्थान पर खिसक गई है। मुंबई ने चार में से एक मैच जीता है, जबकि सीएसके ने पांच में से दो मैच जीते हैं। वहीं अंतिम पर केकेआर है, जो पांच में से चार मैच हारी है।

20 वर्षीय खिलाड़ी ने जीता कैंडिडेट्स टूर्नामेंट, अब डी गुकेश से होगा वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली,(ए.)। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने 2026 फाइड कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में एक राउंड बाकी रहते ही पहला स्थान पक्का कर लिया. इसके साथ ही, उन्होंने इस साल के आखिर में होने वाले वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल मैच में भारत के डी गुकेश को चुनौती देने के लिए क्वालीफाई कर लिया है.साइप्रस के पेगेइया में खेले गए 13वें और आखिरी राउंड से पहले सिंदारोव ने डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के साथ ड्रॉ खेला. इससे उनके कुल पॉइंट 9.5 हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद खिलाड़ी से कहीं ज्यादा और निर्णायक बढ़त थी. गिरी 7.5 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि अमेरिका के फैबियानो कारुआना और चीन के वेई यी 6.5 पॉइंट के साथ उनके पीछे हैं.पुरुष वर्ग में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि, आर. प्रज्ञानंद ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में निराशाजनक शुरुआत की और आखिरी राउंड में जाने से पहले वे सातवें स्थान पर हैं।

जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर संजू सैमसन ने जीता आईसीसी का ये बड़ा अवॉर्ड

नईदिल्ली, (ए.)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इन दिनों आईपीएल 2026 में बिजी हैं. वो इस साल चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं. उससे पहले संजू ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने मार्च महीने का आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीत लिया है।

आईसीसी ने उनको ये अवॉर्ड टी20 वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट मैचों में शानदार प्रदर्शन के लिए दिया है. यह पहली बार है जब सैमसन ने यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है. सैमसन, टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, लेकिन जब उन्हें प्लेइंग-11 में शामिल किया गया तो फिर उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक करो या मरो वाले सुपर एट्स मुकाबले में 97 रन की नाबाद पारी खेली।

उसके बाद संजू ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89-89 रन बनाए. उनके प्रयासों की बदौलत भारत अपनी धरती पर ही खिताब बचाने में सफल रहा, और सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला।

आईसीसी के हवाले से सैमसन ने कहा, आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे यादगार दौर में मिला है. टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में योगदान देना सचमुच एक सपना सच होने जैसा था, और उस पल की अहमियत को पूरी तरह से समझने में मुझे थोड़ा समय लगा।

उन्होंने आगे कहा, यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर तरफ जबरदस्त प्रतिभा मौजूद है. मुझे मिले मौकों के लिए, और अपने साथियों व कोचिंग स्टाफ के भरोसे और समर्थन के लिए मैं आभारी हूं, जिनकी वजह से मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया।

संजू सैमसन ने ये अवॉर्ड तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को पछाड़कर हासिल किया. बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अहम भूमिका निभाते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लिए थे, जबकि दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने टी20 वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों में 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था।

कोलकाता की लगातार चौथी हार, अब चेन्नई ने 32 रनों से दी मात

नईदिल्ली (ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 22वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रनों से हरा दिया. जहां ये केकेआर की इस सीजन लगातार चौथी हार है तो वहीं ये सीएसके की लगातार दूसरी जीत है. इस जीत के साथ चेन्नई अंक तालिका में 5 मैच में 4 पॉइंट्स के साथ 8वें स्थान पर पहुंच गया, जबकि केकेआर 10वें स्थान पर ही है।

चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए. जिसमें संजू सैमसन ने 32 गेंद में 48, आयुष म्हात्रे ने 17 गेद में 38, और डेवाल्ड ब्रेविस ने 29 गेंद में 41 रनों की शानदार पारी खेली।

192 रनों के जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 160 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उसे 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा. एक बार फिर केकेआर के ओपनर फिन एलन और सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी फ्लॉप रहे. एलन एक रन बनाकर आउट हुए जबकि ग्रीन अपना खाता भी नहीं खोल सके. इसके अलावा रिंकू सिंह की कुछ खास नहीं कर सके और 6 रन बनाकर आउट हो गए।

केकेआर की तरफ से कप्तान रहाणे ने 22 गेंद में 28, रघुवंशी ने 19 गेंद में 27 और ओपनिंग करने आए सुनील नरेन 17 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा रोमन पावेल और रमनदीप सिंह ने 31 और 35 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी में कभी भी ये नहीं लगा कि वो मैच जीतने के लिए खेल रहे हैं. जिससे उनकी पारी की कोई अहमियत नहीं है।

‘मजबूरी में लगवाई गई वैक्सीन ने ली मेरे पिता की जान’, 4 साल बाद शेन वार्न के बेटे का सनसनीखेज दावा

नई दिल्ली (ए.)। दुनिया के महानतम स्पिनरों में शुमार शेन वार्न के निधन को चार साल बीत चुके हैं, लेकिन अब उनकी अचानक हुई मौत को लेकर एक ऐसा सनसनीखेज दावा सामने आया है जिसने क्रिकेट जगत से लेकर आम लोगों तक में खलबली मचा दी है। शेन वार्न के बेटे जैक्सन वार्न ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए दावा किया है कि उनके पिता की जान उन कोविड टीकों (वैक्सीन) की वजह से गई, जिन्हें उन्हें अपने काम के सिलसिले में मजबूरी में लगवाना पड़ा था। जैक्सन के इस बयान ने वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स को लेकर एक बार फिर नई बहस छेड़ दी है।एक मशहूर पॉडकास्ट ‘2 वर्ल्ड्स कोलाइड’ में बातचीत के दौरान जैक्सन ने अपने पिता की मौत और सेहत से जुड़े कई राज खोले। साल 2022 में थाईलैंड में 52 वर्ष की उम्र में शेन वार्न का दिल का दौरा पड़ने से अचानक निधन हो गया था। जैक्सन ने माना कि उनके पिता को पहले से कुछ स्वास्थ्य समस्याएं जरूर थीं, लेकिन उनका पक्का मानना है कि वैक्सीन ने उनकी जान लेने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगने के कारण ही उनके पिता की

बीमारियां एकदम से खुलकर सामने आ गईं। जैक्सन ने बेबाकी से कहा कि उन्हें अब यह सच बोलने से किसी विवाद का डर नहीं है, क्योंकि यह एक ऐसी बात है जो उन्हें हमेशा अंदर ही अंदर परेशान करती रहती है।

पिता की मौत की खबर सुनते ही सरकार और वैक्सीन पर फूटा था गुस्सा

जैक्सन ने उस मनहूस दिन को याद करते हुए बताया कि जैसे ही उन्हें फोन पर पिता के निधन की मनहूस खबर मिली, तो उनका पहला रिएक्शन सरकार और कोविड वैक्सीन को ही दोष देना था। उन्होंने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि वह अपने पिता की शोक सभा में भी इस सच को दुनिया के सामने चीख-चीख कर कहना चाहते थे, लेकिन उन्होंने बड़ी मुश्किल से खुद पर काबू पाया। जैक्सन का मानना है कि अगर उन्होंने उस वक्त ऐसा किया होता, तो आज उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती, लेकिन उनके दिल ने हमेशा से इसी बात को सच माना है।अपने दर्द को बयां करते हुए जैक्सन ने कहा कि उस दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से बहुत से लोगों की मौत हो रही थी, लेकिन उनके डैड बिल्कुल ठीक थे। उन्होंने बताया कि शेन वार्न ने वैक्सीन की कम से कम तीन या चार डोज ली थीं।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

पाकिस्तान की युद्धविराम 45 दिन बढ़ाने की मांग, अमेरिका ने बातचीत के लिए 2 शर्तें रखीं

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता की योजना बन रही है। हालांकि, इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सामने 2 शर्तें रखी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका चाहता है कि ईरान के साथ अगली वार्ता होने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल दिया जाए। इसके अलावा, उसने किसी भी समझौते को अंतिम रूप देने के लिए ईरान के प्रतिनिधिमंडल को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर से पूर्ण अधिकार लेने को कहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच 2 दिन के अंदर पाकिस्तान में एक और वार्ता हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से कुछ सही और अज्ञात ईरानी प्रतिनिधियों ने संपर्क किया था जो एक समझौते पर पहुंचने के इच्छुक थे। बता दें कि यह बातचीत अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी करने के बाद भी शुरू हो रही है। वार्ता फिर से इस्लामाबाद में हो सकती है।अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता से पहले पाकिस्तान ने युद्धविराम को 45 दिन के लिए आगे बढ़ाने की मांग की है।सूत्रों ने एक पाकिस्तानी राजनयिक सूत्र के हवाले से कहा कि इस्लामाबाद कई पक्षों के संपर्क में है, ताकि युद्धविराम को बढ़ाने और वाशिंगटन-तेहरान के बीच तकनीकी स्तर का संपर्क फिर शुरू होने पर सहमति बने। मध्यस्थ दोनों पक्षों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए 45 दिनों का युद्धविराम चाहते हैं।अमेरिका-ईरान के अलावा इजरायल और लेबनान भी सीधी बातचीत शुरू करने को राजी हैं।

जंग में ईरान को हुआ 270 अरब डॉलर का नुकसान, संयुक्त राष्ट्र में उठाई मुआवजे की मांग

-ईरानी राजदूत ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स लगाने का भी रखा प्रस्ताव

जेनेवा,(ए.)। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान का दावा करते हुए करीब 270 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग की है। यह मांग संयुक्त राष्ट्र में उठाई गई, जहां ईरान के प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि हमलों में न केवल अमेरिका और इजराइल, बल्कि कुछ क्षेत्रीय देशों की भी भूमिका रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सरकार की प्रवक्ता फातमेह मोहाजेरानी ने कहा कि 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद देश को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि युद्ध के कारण बुनियादी ढांचे, व्यापार और तेल निर्यात पर गंभीर असर पड़ा है, जिससे नुकसान का आंकड़ा 270 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूत ने दावा किया कि पांच क्षेत्रीय देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले करने के लिए किया गया। ऐसे में इन देशों को भी इस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। हालांकि, इन देशों के नाम सार्वजनिक रूप से नहीं बताए, जिससे क्षेत्र में कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है।

अंडमान सागर हादसा: शरणार्थियों को ले जा रहा जहाज पलटा, 250 लोगों के मरने की आशंका

ढाका,(ए.)। अंडमान सागर में मंगलवार को रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत लगभग 250 लोगों को ले जा रहे एक जहाज के समुद्र में पलट जाने के बाद बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर इस घटना पर गहरा दुख जताया है. यह घटना ऐसे समय हुई जब यह इलाका बंगाली न्यू ईयर मना रहा है.खबर है कि दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से निकला यह जहाज मलेशिया जा रहा था, जब तेज हवाओं और बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह दुखद घटना लंबे समय तक विस्थापन और रोहिंग्या के लिए पक्के समाधानों की कमी के भयानक नतीजों को दिखाती है.रखाइन राज्य में जारी हिंसा ने जल्द ही सुरक्षित वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया है, जबकि मानवीय मदद में कमी, रिफ्यूजी कैंपों में रहने के मुश्किल हालात, और शिक्षा और रोज़ी-रोटी तक सीमित पहुंच रिफ्यूजी को सुरक्षा और मौके की तलाश में ऐसे खतरनाक समुद्री सफर करने पर मजबूर कर रही है.विदेश में बेहतर सैलरी का वादा और अक्सर स्मगलिंग नेटवर्क से फैलाई गई गलत जानकारी, लोगों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को बड़े रिस्क लेने पर मजबूर करती है. ये वजहें ऐसी स्थितियाँ बनाती हैं जिनमें स्मगलर और ट्रैफिकर कमज़ोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे जान को बड़ा खतरा हो सकता है।

पाकिस्तान में ईरानी प्रतिनिधिमंडल को था खतरा; लौटते हुए विमान बदला, ट्रेन-बस का किया इस्तेमाल

इस्लामाबाद (ए.)। अमेरिका से वार्ता नाकाम होने के बाद पाकिस्तान से लौट रहे ईरान के प्रतिनिधिमंडल को जान का खतरा था।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य प्रोफेसर मोहम्मद मरंडी ने खुलासा किया है कि वार्ता के बाद जब वे लौट रहे थे, तो उन पर हत्या का साया मंडरा रहा था। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल का मानना था कि उनके विमान को मिसाइल से निशाना बनाया जा सकता है, जिसके चलते सुरक्षा रणनीति बदलनी पड़ी।

प्रोफेसर मरंडी ने बताया कि इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ हुई बातचीत के दौरान सुरक्षा का खतरा इतना बढ़ गया था कि प्रतिनिधिमंडल को अपनी सुरक्षा रणनीति पूरी तरह गोपनीय रखनी पड़ी। उन्होंने बताया कि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ समेत पूरे प्रतिनिधिमंडल ने बीच रास्ते में ही अपना विमान बदला और तेहरान पहुंचने के लिए बस और ट्रेन का रास्ता अपनाया।प्रोफेसर मरंडी ने कहा, वापसी के दौरान हम सीधे तेहरान के लिए रवाना नहीं हुए। उस समय हम सबको लग रहा था कि इसकी पूरी संभावना है कि वे हमारे विमान को मार गिराएंगे या मिसाइल दाग देंगे। उन्होंने कहा, इसी जानलेवा खतरे को देखते हुए ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी रणनीति बदली और बेहद गुप्त तरीके से एक दूसरे विमान में सवार हुए।

इस्लामाबाद के जिस सेरेना होटल में हुई अमेरिका-ईरान की बैठक, उसका बिल नहीं चुका पाई सरकार

इस्लामाबाद(आरएनएस)। कर्ज के बोझ से दबे पाकिस्तान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी किरकिरी कराई है। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद के जिस सेरेना होटल में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता कराई थी, अभी तक उसका बिल नहीं चुकाया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, होटल का बिल होटल के मालिक को चुकाना पड़ा है। होटल के मालिक आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क से जुड़े हैं।

सेरेना होटल इस्लामाबाद का 5 सितारा होटल है। इसका उद्घाटन 2002 में तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने किया था। होटल का मालिकाना हक आगा खान फंड ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट के पास और संचालन सहायक कंपनी टूरिज्म प्रमोशन सर्विस करती है। होटल में प्रति-रात का डीलक्स रूम का किराया करीब 13 हजार रुपये और एग्जीक्यूटिव रूम का किराया 23 हजार रुपये तक है। प्रेसिडेंशियल सुइट करीब 93 हजार रुपये प्रति-रात है। होटल के आसपास मार्गल्ला हिल्स और रावल झील है।

पाकिस्तान ने मध्यस्थता के तहत 10 से 12 अप्रैल के बीच इस्लामाबाद वार्ता के रूप में अमेरिका और ईरान के प्रमुख नेताओं और प्रतिनिधिमंडल को शांति वार्ता के लिए बुलाया था। इस दौरान अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु संवर्धन को लेकर कोई सहमति नहीं बनी और बातचीत विफल हो गई। अब अगले दौर की वार्ता की योजना बन रही है। हालांकि, वार्ता को इस्लामाबाद या जिनेवा में करने की योजना है। अभी इस पर मुहर नहीं लगी है।

चीन ने ईरान को मिलिट्री मदद देने की खबरों को किया खारिज

बीजिंग (चीन), (आरएनएस)। चीन ने ईरान को मिलिट्री मदद देने की खबर को खारिज कर दिया है. इस बारे में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बुधवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि चीन ईरान को सैन्य मदद दे रहा है।

लिन ने कहा कि अगर अमेरिका इन रिपोर्ट्स के आधार पर चीन पर टैरिफ लगाता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा।

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मीडिया रिपोर्ट्स जो चीन पर ईरान को मिलिट्री सपोर्ट देने का आरोप लगा रही हैं, वे पूरी तरह से मनगढ़ंत हैं. अगर यूएस इन आरोपों के आधार पर चीन पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कार्रवाई करेगा।

इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अभी तक उनसे बात नहीं की है, लेकिन वह युद्ध खत्म होते देखना चाहेंगे।

ओवल ऑफिस में रिपोर्टरों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, चीन के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं. वह इसे भी खत्म होते देखना चाहेंगे. वह निश्चित रूप से इसे खत्म होते देखना चाहते हैं. हर कोई, मैं भी इसे खत्म होते देखना चाहता हूं, लेकिन हम ऐसे लोगों के ग्रुप को परमाणु हथियार नहीं दे सकते जिन्होंने 47 सालों से सिर्फ तबाही मचाई है।

यूएस इंटेलिजेंस इनपुट्स और चीनी लीडरशिप के साथ संभावित कम्युनिकेशन के बारे में सीएनएन के एक सवाल के जवाब में, ट्रंप ने साफ किया कि उन्होंने इस मामले पर सीधे शी से बात नहीं की है, लेकिन चेतावनी दी कि अगर बीजिंग ने तेहरान को मिलिट्री सपोर्ट दिया तो उसे नतीजे भुगतने होंगे।

होर्मुज में अमेरिका ने रोकी चीन को तेल-गैस सप्लाई, अब रूस करेगा बीजिंग की ऊर्जा आपूर्ति

तेहरान (ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर दी है, ताकि वहां से कोई भी जहाज बाहर न निकल सके। इसी बीच अमेरिकी विदेश मंत्री स्कॉट बेसेंट ने दावा किया है कि ईरान अब चीन को तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा।इस स्थिति में रूस ने आगे आकर चीन की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का भरोसा दिया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मीडिया की कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि अमेरिकी नाकेबंदी के बावजूद ईरान के कम से कम तीन जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने में सफल रहे हैं। उधर, 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान शांति वार्ता असफल रहने के बाद बुधवार को तेहरान में एक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम तीन लोग घायल हो गए। घटना से जुड़े अन्य विवरणों का इंतजार किया जा रहा है।

अब दोनों देशों के बीच अगले दौर की वार्ता 16 अप्रैल को होने की संभावना जताई जा रही है। पाकिस्तान की मध्यस्थता विफल होने के बाद अमेरिका की नजरें भारत पर टिकी हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीब 40 मिनट तक फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित बनाए रखने और मध्य-पूर्व में शांति स्थापित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

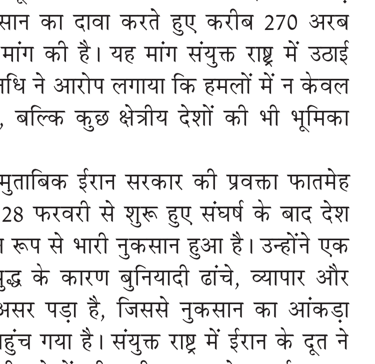

अमेरिका ने ईरानी तेल पर प्रतिबंध छूट को बढ़ाने से मना कर दिया

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसका ईरानी तेल पर लगे बैन में कुछ समय के लिए दी गई छूट को बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है. इसे युद्ध की वजह से सप्लाई में रुकावटों को कम करने के लिए लागू किया गया था.यह कदम तेहरान पर दबाव बढ़ाने की अमेरिका की बड़ी रणनीति का हिस्सा है. वित्त मंत्रालय का कहना है कि वह ईरान की आर्थिक और ऊर्जा को लेकर गतिविधि पर रोक लगाने के मकसद से इकोनॉमिक फ्यूरी अप्रोच को आगे बढ़ा रहा है.वित्त मंत्रालय इकोनॉमिक फ्यूरी के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है, ईरान पर ज़्यादा से ज़्यादा दबाव बनाए हुए है।

नूतन स्कूल के श्लोक ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वैभवी मंत्री ने सीहोर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया

सीहोर (निप्र)। नूतन स्कूल, सीहोर ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर प्रदेश एवं जिले में नया इतिहास रच दिया है। विद्यालय के मेधावी छात्र श्लोक प्रजापति (कक्षा 12वीं) ने 98.6 प्रतिशत 493/500 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया तथा विद्यालय, जिले एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। यह विशेष गर्व का विषय है कि श्लोक प्रजापति ने अपनी संपूर्ण स्कूली शिक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक नूतन स्कूल, सीहोर से ही प्राप्त की है, जो विद्यालय की उत्कृष्ट शिक्षण परंपरा का प्रमाण है। वहीं छात्रा वैभवी मंत्री (कक्षा 12वीं) ने 95.2 प्रतिशत 476/500 अंक अर्जित कर सीहोर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी क्रम में विद्यालय की मेधावी छात्रा प्रतीक्षा त्यागी (कक्षा 10वीं) ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। विगत कई वर्षों से नूतन स्कूल के विद्यार्थी प्रदेश एवं जिले में निरंतर प्रथम स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं और हर वर्ष की भांति इस बार भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा। वर्ष 2026 की कक्षा 12वीं परीक्षा के उत्कृष्ट परिणामों के आधार पर नूतन स्कूल के 62 विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश शासन द्वारा लैपटॉप छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जो विद्यालय के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। विद्यालय का यह उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम न केवल नूतन स्कूल बल्कि पूरे सीहोर जिले के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण, अनुभवी शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यालय ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। सफल विद्यार्थियों ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था तथा अपने माता-पिता के सतत सहयोग और आशीर्वाद को दिया। इस अवसर पर जिला प्रशासन सीहोर, शिक्षा विभाग तथा विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। विद्यालय प्रबंधन, सुरेश त्यागी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर बढाई गई प्रतिदिन की खरीदी लिमिट

पहले थी 1000 क्विंटल प्रतिदिन, अब हुई 1500 क्विंटल प्रतिदिन

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जो 05 मई 2026 तक चलेगा। जिले में गेहूं उपार्जन के लिए 240 उपार्जन केन्द्र स्थापित किये गए है। जिला उपार्जन प्रभारी आकाश चंदेल ने बताया कि जिले के उपार्जन केंद्रों पर गेंहू खरीदी की प्रतिदिन की लिमिट 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल कर दी गई है, यानि पहले जहां एक दिन में एक उपार्जन केंद्र पर अधिकतम 1000 क्विंटल गेंहू की खरीदी हो रही थी, अब बढ़कर 1500 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। इस निर्णय से किसानों को राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार किसानों से गेहूं उपार्जन कार्य सप्ताह में 05 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) प्रात: 8:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक किया जा रहा है। कृषक तौल पर्ची शाम 6 बजे तक जारी की जाती है।

माय भारत सीहोर द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर विशेष आयोजन

युवाओं ने दिखाई प्रतिभा, नारा और पोस्टर निर्माण के साथ किया डॉ. अंबेडकर को याद

सीहोर(निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था माय भारत सीहोर द्वारा हिताय सीहोर के सहयोग से उप निदेशक निक्की राठौर के निर्देशन में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय सीहोर में किया गया। नारा लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और संविधान की प्रस्तावना के वाचन के माध्यम से युवाओं ने अंबेडकर के योगदान और आदर्शों को अपनी प्रतिभा से कागज़ उकेरा। हिताय के संचालक उमेश पंसारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रतियोगिताओं को संपन्न कराया , जिनका निर्णय महाविद्यालय के शिक्षकगणों द्वारा किया गया। नारा लेखन में प्रथम स्थान प्रीति, द्वितीय चांदनी एवं तृतीय स्थान संतोषी ने प्राप्त किया। साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता में निधि ने प्रथम, आस्था ने द्वितीय और अश्विनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त विजेताओं को प्रमाण पत्र तथा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया और आभार प्रदर्शन कर महाविद्यालय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य प्रमोद शर्मा सहित पंकज जैन, स्मिता शर्मा, प्रकाश एवं अन्य स्टाफ सदस्यों के साथ कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक सुदेश राय के मार्गदर्शन में अटल पार्क में लगवाए 120 पौधे

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति पौधरोपण करें-विधायक सुदेश राय

सीहोर (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को जीवन में एक-एक पौधे का रोपण जरूर करना चाहिए। धरती को स्वस्थ रखने के लिए पौधों का महत्वपूर्ण भूमिका है। पृथ्वी के संरक्षण के लिए सबसे जरूरी पौधारोपण है। जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। उक्त विचार शहर के वार्ड क्रमांक 1 में विधायक सुदेश राय ने करीब 120 पौधे अटल पार्क और आस-पास क्षेत्रवासियों से लगवाते हुए कहे। इस मौके पर उन्होंने पार्षद प्रतिनिधि राहुल राय के विशेष प्रयास की सराहना करते हुए कहाकि इन पौधों के लिए जो पानी आदि का इंतजाम किया गया है। उससे इन पौधों का संरक्षण भी हो जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ समाजसेवी अरुणा राय ने सभी क्षेत्रवासियों से अपने वार्ड में जिम्मेदारी के साथ पौधारोपण के अलावा साफ-सफाई और स्वच्छता रखने का आह्वान किया। शहर में वार्ड क्रमांक 01 आदर्श वार्ड है। यहां पर शहर की जीवनदायनी सीवन नदी का तट आदि बड़ी संख्या में प्राचीन मंदिर है। उन्होंने कहाकि पेड़-पौधे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनसे पृथ्वी पर ऋतु चक्र बना रहता है। ऋतु चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य है। हमें पौधे के पेड़ बनने तक बच्चों की तरह संरक्षण करना चाहिए। पौधा पेड़ बनकर हमें फल देता है। वहीं एक पेड़ सैकड़ों जिंदगियां बचाने में सक्षम होता है।

सीहोर जिले ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में बनाई पहचान, हाईस्कूल में जिले के 01 एवं हायर सेकेंडरी में 04 छात्रों ने बनाई जगह

कलेक्टर ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी बधाई

सीहोर (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा वर्ष 2025-26 के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जारी मेरिट सूची के अनुसार सीहोर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। हाईस्कूल परीक्षा में जिले का परिणाम 84.90 प्रतिशत रहा, जिससे सीहोर को प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त हुआ। वहीं हायर सेकेंडरी परीक्षा में 86.47 प्रतिशत परिणाम के साथ जिले ने ग्यारहवां स्थान हासिल किया। राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में हाईस्कूल से जिले के 1 छात्र तथा हायर सेकेंडरी से 4 छात्र-छात्राओं ने स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। प्रावीण्य सूची में शामिल विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के भव्य कुशवाह ने 490 अंक (98 प्रतिशत) प्राप्त कर प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया। वहीं 12वीं कक्षा में गणित संकाय से श्लोक प्रजापति (98.60 प्रतिशत) ने प्रथम स्थान, कला संकाय से कुं. हर्षिता जैन (96.20 प्रतिशत) ने नौंवा स्थान, वाणिज्य संकाय से कुं. श्रुति मेवाड़ा (96.40 प्रतिशत) ने नौंवा स्थान तथा जीव विज्ञान समूह से कुं. प्रिंसी विश्वकर्मा (97.40 प्रतिशत) ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। जिले में कुल 103 केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गई थीं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष जिले के परीक्षा परिणाम में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

सीहोर में भीषण गर्मी के चलते स्कूल समय बदलने की मांग

सीहोर (निप्र)। जिले में बढ़ती भीषण गर्मी और तापमान में लगातार वृद्धि को देखते हुए शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन समय में बदलाव की मांग उठने लगी है। इस संबंध में प्रांतीय शिक्षक संघ, जिला सीहोर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि नवीन शैक्षणिक सत्र 01 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है।मौसम विभाग ने तापमान वृद्धि एवं लू चलने की आशंका जताई है।जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। संघ ने मांग की है कि विद्यालयों का संचालन समय प्रात: 7:30 बजे से किया जाए, ताकि तेज गर्मी से बचाव हो सके। इससे विद्यार्थियों की उपस्थिति में भी सुधार होगा और अभिभावकों के साथ समन्वय बनाने में सुविधा मिलेगी। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रदेश के कई जिलों में पहले ही स्कूलों का समय प्रात:कालीन किया जा चुका है। अत: सीहोर जिले में भी विद्यार्थियों के हित में शीघ्र निर्णय लिया जाए।प्रांतीय शिक्षक संघ जिला सीहोर ने प्रशासन से जल्द से जल्द सकारात्क निर्णय लेने की अपील की है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजय सक्सेना, प्रांतीय मीडिया प्रभारी प्रदीप नागिया, नरेश गुर्जर, चंदर वर्मा, यशपाल राठौर,कमल वर्मा, माधव यादव,राघवेंद्र मालवीय, लक्ष्मण बैरागी,आत्माराम बामनिया, जगदीश प्रसाद दुबे ,विनोद गुप्ता, बलराम मालवीय,राजेंद्र परमार, आशीष शर्मा, ओमप्रकाश मालवीय, हेमंत मालवीय,अर्जुन सिंह,बी पी वर्मा,आदि शिक्षक मौजूद थे।

आगामी 17 अप्रैल को किया जाएगा नौ दिवसीय श्रीराम कथा का विश्राम

मंथरा ने कैकेयी के कान भर राम को दिलाया वनवास-महंत उद्धवदास महाराज

सीहोर(निप्र)। भगवान राम जी के साथ-साथ उनके सभी भाइयों का विवाह भी जनकपुर में संपन्न हुआ। महाराज दशरथ, रानियां तथा तमाम अयोध्यावासी प्रसन्न हैं। एक दिन राजा के मन में अपनी बढती अवस्था को देखकर विचार आया कि अब राज्य का कार्यभार रामचंद्र को सौंप देना चाहिए। राम जन-जन के प्रिय थे, इसलिए सभी दरबारियों ने इसका समर्थन किया, लेकिन जन कल्याण के लिए भगवान श्रीराम का वनवास जाना तय था, इसलिए मंथरा ने कैकेयी के कान भर श्रीराम को वनवास दिलाया। उक्त विचार शहर के कंचन विहार, विश्वनाथपुरी में श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी नौ दिवसीय श्रीराम कथा में महंत उद्धवदास महाराज ने कहे।उन्होंने कहाकि सत्संग करो लेकिन कुसंग का सेवन नहीं करना चाहिए तभी सत्संग का असर होगा, हमारे आस-पास के लोग ही हमारे भविष्य का निर्माण करते है, इसलिए जहां पर भी भगवान की चर्चा हो रही हो, भलाई का कार्य हो रहा है, वहां पर सौ कार्य छो?कर शामिल हो जाना चाहिए। नगर में इस बात का एलान हुआ कि कल रामचंद्र का राजतिलक किया जाएगा। यह सूचना रानी कैकेयी की विशेष दासी मंथरा ने भी सुनी और जाकर रानी कैकेयी को मशविरा दिया कि वो राम के बदले अपने पुत्र भरत के लिए राज्य मांग लें और राम को 14 वर्षों के लिए वनवास भिजवा दें। कैकेयी पहले तो इसके लिए तैयार नहीं थीं मगर मंथरा की बातों में आकर सहमति दे दी। कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वरदान प्राप्त करने थे। मंथरा के कहने पर यही दोनों बातें वरदान में मांग लीं। राजा बहुत दुखी हुए, रानी को समझाया, मिन्नतें की मगर रानी अपनी बात पर अडी रहीं। श्रीराम ने सुना तो पिता के वचन की लाज रखने के लिए सहर्ष वन जाने को तैयार हो गए।

19 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का श्रीगणेश

सीहोर (निप्र)। शहर के भव्य और दिव्य न्यू बस स्टैंड स्थित बालाजी सरकार श्री हनुमान मंदिर में आगामी दिनों में होने वाले सात दिवसीय श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ और प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरूआत आगामी 19 अप्रैल को आस्था और उत्साह के साथ आयोजित की जाएगी। लगातार सात दिनों तक आयोजित होने वाले महायज्ञ के साथ मानस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें एक दर्जन से अधिक कथा वाचक, संत और महंतों के साथ कथा व्यास राष्ट्रीय राम कथा व्यास मानस कोकिला महंत डॉ. प्रज्ञा भारती वृन्दावन के द्वारा श्रीराम कथा का वाचन किया जाएगा। राम कथा दोपहर तीन बजे से जयंती कालोनी में निर्मित की गई महायज्ञ शाला के पास पंडाल में की जाएगी। इसके अलावा रात्रि नौ बजे से बारह बजे तक महाकाल मंडल रामलीला उज्जैन के द्वारा भगवान की विभिन्न

लीलाओं का मंचन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्री-श्री 1008 यज्ञ संचालक पंडित दुर्गा प्रसाद कटारे, मंदिर समिति अध्यक्ष रुद्रप्रकाश राठौर, पंडित अनिल शास्त्री के सानिध्य में यज्ञ में बैठने वाले यजमानों की व्यवस्था की गई है। श्री-श्री 1008 यज्ञ संचालक पंडित दुर्गा प्रसाद कटारे ने बताया कि 21 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ एक भव्य धार्मिक अनुष्ठान है, जो आमतौर पर विश्व कल्याण, शांति और भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए आयोजित किया जाता है। इसमें 21 कुंडीय यज्ञशाला में 84 जोड़े आहुतियां देते हैं। यह कार्यक्रम सात दिनों तक चलता है, जिसमें कलश यात्रा, राम कथा, रासलीला, हनुमान चालीसा पाठ और अंतिम दिन विशाल भंडारा किया जाएगा। इसके अलावा आगामी 19 अप्रैल से नियमित रूप से यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। पंडित श्री कटारे ने बताया कि यह यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि मानवता के कल्याण का संकल्प है। यज्ञ की पवित्र अग्नि में समर्पित हर आहुति शांति, सद्भावना और सकारात्मक ऊर्जा को जागृत करती है। इस महायज्ञ में सहभागी बनकर विश्व कल्याण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाएं। आपके सहयोग से ही यह प्रयास सफल होगा, यज्ञ में भाग लेने वाले जितने पग बढ़ाते हैं, उन्हें अश्वमेघ यज्ञ की फल प्राप्त होती है। वैदिक विधि से यज्ञ मंडप का परिक्रमा करने से अनंत गुणा अधिक फल प्राप्त होता है।

26 करोड़ की सीवरेज परियोजना का निरीक्षण, नगर पालिका अध्यक्ष ने गुणवत्ता व समयसीमा पर विशेष जोर

सीहोर (निप्र)। शहर के समग्र विकास एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ बनाने की दिशा में नगर पालिका द्वारा संचालित सीवरेज परियोजनाओं का आज नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा बडिया खेडी एवं मंडी क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, तकनीकी मानकों एवं सुरक्षा पहलुओं का बारीकी से अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नगर में कुल 26 करोड की लागत से सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ करने हेतु कार्य किया जा रहा है, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से संचालित है। मंडी क्षेत्र में लगभग 15 करोड की लागत से सीवरेज लाइन डाली जा रही है, जिसके अंतर्गत करीब 28 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही एक आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे गंदे पानी का वैज्ञानिक तरीके से शोधन कर पर्यावरण संरक्षण को बढावा मिलेगा। इसी प्रकार बडिया खेडी, इंदिरा नगर एवं इंदौर नाका क्षेत्र में लगभग 11 करोड की लागत से सीवरेज लाइन डाली जा रही है। इस अंतर्गत करीब 30 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जिससे इन क्षेत्रों में वर्षों से चली आ रही जलभराव एवं गंदे पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। यह परियोजना पूर्ण होने के पश्चात हजारों नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा एवं शहर की स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होगा। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में उपयोग हो रही सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप हो तथा प्रत्येक चरण पर सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, कार्य को तय समयसीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए, ताकि आमजन को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सीहोर को स्वच्छ, सुंदर एवं आधुनिक शहर बनाने के लिए नगर पालिका प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। सीवरेज परियोजना शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और आने वाले समय में स्वच्छता के नए मानक स्थापित करेगी।

नए और पुराने पुलों के बीच जलकुंभी हटाकर नया जलाशय बना रहे है सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धा

सीहोर(निप्र)। बुधवार को फिर से सीवन पुत्र और सीवन योद्धा की टीम उतर गई फिर से सीवन की गोद में,सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ जलकुंभी हटाओ सीवन से अभियान का 13वां दिवस था,सुबह सबसे पहले सीवन पुत्र राजकुमार सोनी भूरा भैया ने सीवन योद्धाओं को मार्गदर्शन दिया इसके बाद निर्णय हुआ कि दोनों पुलों के बीच में से जलकुंभी हटाई जाए क्योंकि इस तरफ जलकुंभी नहीं है,सीवन योद्धाओं ने काम प्रारंभ हुआ कुछ ही घंटे बाद जलाशय का रूप दिखने लगाइसी बीच सीवन पुत्र प्रकाश यादव,कैलाश चव्हाण,मुकेश राय,सुरेश भगत,वैभव राठौर, प्रदीप चावड़ा,जगदीश वर्मा,अशोक खत्री भी अपना योगदान देने लगेशाम 5 बजे मजदूरों को सम्मान रखा गया ,आज मुख्य अतिथि के रूप में एल आई सी के सी एम क्लब मेंबर सतीश कुमार सीठा ने सभी का सीवन योद्धाओं का सम्मान किया,विकास खंड शिक्षा के रिटायर्ड लखन लाल सेन,एम पी इ बी के गोस्वामी जी ने भी सीवन योद्धाओं का सम्मान किया।अभियान लगातार जारी रहेगा ,सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया ।

कन्या शिक्षा परिसर सीहोर में अंबेडकर का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया

सीहोर (निप्र)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर कन्या शिक्षा परिसर सीहोर (सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित) में साप्ताहिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बाबा साहेब के जीवन एवं विचारों को आत्मसात किया। कार्यक्रम का शुभारंभ 8 अप्रैल को अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर उनके सामाजिक योगदान, संघर्षों एवं उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। 9 अप्रैल को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विद्यालय एवं छात्रावास परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

पूर्व नपाध्यक्ष राकेश राय ने श्लोक प्रजापति को निवास पर पहुंचकर दी बधाई

सीहोर(निप्र)। हाई स्कूल का परिणाम 84.90 प्रतिशत रहा, जिससे जिले ने प्रदेश में आठवां, हायर सेकेंडरी परीक्षा में 86.47 प्रतिशत के साथ जिला 11वें स्थान पर रहा

सीहोर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणामों में सीहोर के श्लोक प्रजापति ने प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विज्ञान (गणित) संकाय में 98.60 प्रतिशत अंक हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। श्लोक नूतन स्कूल के छात्र हैं। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय ने क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले श्लोक के निवास पर पहुंचकर बधाई दी।

श्लोक ने कुल 500 में से 493 अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पहला स्थान बनाया। उनके पिता एक मजदूर हैं, जिन्होंने आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अपने बेटे की पढाई में पूरा सहयोग किया। श्लोक का लक्ष्य आईएएस बनकर देश सेवा करना है।सीहोर जिले का इस वर्ष हाई स्कूल का परिणाम 84.90 प्रतिशत रहा, जिससे जिले ने प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया। हायर सेकेंडरी परीक्षा में 86.47 प्रतिशत के साथ जिला 11वें स्थान पर रहा। जिले के अन्य मेधावी छात्रों में हाई स्कूल में भविष्य कुशवाहा रेडी ने 98 के साथ राज्य में दसवां स्थान प्राप्त किया। 12वीं कला संकाय में हर्षित जैन सिद्धिकगंज ने 96.20 प्रतिशत अंक हासिल कर राज्य में नौवां स्थान पाया। वाणिज्य समूह में श्रुति मेवाडा बिलकिसगंज ने 96.40 प्रतिशत के साथ नौवां स्थान और जीव विज्ञान समूह में प्रिंसी कुशवाहा आष्टा ने 97.40 प्रतिशत के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल ने आज हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com